नई दिल्ली ■ शनिवार 05 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 05 ■ पृष्ठ 12

# JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहीम का आह्वान | 07 कप्तानी छोड़ने के बाद हल्का महसूस कर रहा हूं: बटलर | कपिल शर्मा से रिश्ता खराब नहीं हुआ है: सुमोना 06

TUITION TIGER

learn smart

LIVE Online Interactive Classes

Class 6th to Class 12th

Batch Start Date 14 April 2025

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309

TUITION TIGER
learn smart

# PREMIUM LIVE BATCHES
(only 30 Students per Batch)

CLASS 6 NEEV
CLASS 7 PRAKHAR
CLASS 8 VIRAJ

INR 24,000/- Per Class

CLASS 9 PARAKRAM
CLASS 10 PRAKET

INR 30,000/- Per Class

CLASS 11 TEJAS (PCM)
CLASS 11 PRAVAAH (PCB)

CLASS 12 ADITYA (PCM)
CLASS 12 AYUR (PCB)

INR 36,000/- Per Class

# LIVE CLASSES

CLASS 6 EXCEL
CLASS 7 PULSE
CLASS 8 AVENGER

INR 2,400/- Per Class

CLASS 9 HECTOR
CLASS 10 HERCULES

INR 3,000/- Per Class

CLASS 11 HERMES (PCM)
CLASS 11 ZENITH (PCB)

CLASS 12 APOLLO (PCM)
CLASS 12 CATALYST (PCB)

INR 3,600/- Per Class

visit to enroll
www.TuitionTiger.com
81304 81309

TUITION TIGER
learn smart

Dear Teachers, associate with Tuition Tiger

Get Your Referral Code Today

mycode@tuitiontiger.com

922 09 05 910

www.TuitionTiger.com

81304 81309

TUITION TIGER
learn smart

LIVE Online Interactive Classes

Class 6th to Class 12th

Batch Start Date 14 April 2025

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309

नई दिल्ली ■ शनिवार, 05 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 05 ■ पृष्ठ 12




JBT

# जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहीम का आह्वान | 07 कप्तानी छोड़ने के बाद हल्का महसूस कर रहा हूं: बटलर | कपिल शर्मा से रिश्ता खराब नहीं हुआ है: सुमोना 06


## रेलवे की 4 मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मिली कैबिनेट की मंजूरी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने 18,658 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। तीन राज्यों महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों को कवर करने वाली ये परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 1247 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि आज जिन परियोजनाओं को मंजूरी मिली है उनमें संबलपुर- जरापदा तीसरी और चौथी लाइन, झारसुगुड़ा-सासोन तीसरी और चौथी लाइन, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा 5वीं और 6वीं लाइन और गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं। यह एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हो पाया है और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को आसान बनाएंगे और भीड़भाड़ को कम करेंगे। वैष्णव ने कहा कि इन परियोजनाओं के साथ 19 नए स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा, जिससे दो आकांक्षी जिलों (गढ़चिरौली और राजनांदगांव) की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 3350 गांवों और लगभग 47.25 लाख आबादी की कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि खरसिया-परमलकासा रेलवे प्रोजेक्ट से छत्तीसगढ़ में वंदेभारत, मेल और एक्सप्रेस आदि नई ट्रेनों की मांग पूरी हो सकेगी। यह 8741 करोड़ रुपये की परियोजना है। इसमें 21 स्टेशन, 48 ब्रिज, 349 छोटे ब्रिज, 14 फ्लाईओवर, 184 अंडरपास, 5 रेल फ्लाईओवर (रेल पटरी के ऊपर से दूसरी पटरी) हैं। पूरे रेल नेटवर्क पर भीड़ कम करने के मद्देनजर यह बहुत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है।

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा मार्ग से बलौदा बाजार जैसे नए क्षेत्रों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी, इससे क्षेत्र में सीमेंट संयंत्रों सहित नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की संभावनाएं बनेंगी।

### अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम –II को मंजूरी




केंद्र सरकार ने सीमाओं पर बसे गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम –II को मंजूरी दी है। इसमें 6,839 करोड़ रुपये का कुल परिव्यय आयेगा, जिसे शत-प्रतिशत केंद्र सरकार वहन करेगी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इसे मंजूरी प्रदान की गई। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे ब्लॉक स्थित गांवों के व्यापक विकास को सुनिश्चित करेगा। इसे अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के चुनिंदा रणनीतिक गांवों में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य इन गांवों में बेहतर जीवन स्थितियां और पर्याप्त जीवन-यापन के अवसर पैदा करना, उचित और आरामदायक सीमा सुनिश्चित करना, सीमापार अपराध को नियंत्रितत करना, सीमा पर रहने वाले लोगों को राष्ट्र के साथ जोड़ना और उन्हें सीमा सुरक्षा बल की आंख और कान के रूप में इस्तेमाल करना शामिल है।

## प्रधानमंत्री मोदी ने बिम्सटेक देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए 21 सूत्री कार्ययोजना का प्रस्ताव रखा

**बैंकॉक।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'बिम्सटेक' (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) समूह को नयी गति प्रदान करने के उद्देश्य से शुक्रवार को 21 सूत्री कार्ययोजना का प्रस्ताव रखा, जिसमें भारत के यूपीआई (यूनिफायड पेमेंट इंटरफेस) को बिम्सटेक देशों की भुगतान प्रणालियों से जोड़ना और समूह के सदस्यों के बीच सहभागिता को मजबूत करने के लिए 'बिम्सटेक चैंबर ऑफ कॉमर्स' की स्थापना करना शामिल है। यहां छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समूह वैश्विक कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है।

मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'यह जरूरी है कि हम इसे मजबूत करें और अपने जुड़ाव को और गहरा करें। इस संदर्भ में, मैंने हमारे सहयोग के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए 21 सूत्री कार्य योजना का प्रस्ताव रखा है।' कार्य योजना में मानव संसाधन अवसंरचना के संगठित विकास के लिए 'बोधि' या 'बिम्सटेक फॉर ऑर्गेनाइज्ड डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमन रिसोर्स इंफ्रास्ट्रक्चर' पहल भी शामिल है। इसके तहत, बिम्सटेक देशों के 300 युवाओं को हर साल भारत में प्रशिक्षित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिम्सटेक में क्षमता निर्माण ढांचे का एक शानदार उदाहरण बनने की क्षमता है। हम सभी एक-दूसरे से सीखेंगे और आगे बढ़ेंगे। योजना के तहत, उन्होंने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के अनुभव को साझा करने के वास्ते बिम्सटेक देशों की जरूरतों को समझने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन का प्रस्ताव रखा। मोदी ने कहा कि इसके अलावा, मैं भारत के यूनिफायड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) को बिम्सटेक क्षेत्र में भुगतान प्रणालियों से जोड़ने का प्रस्ताव करता हूं। इससे व्यापार, उद्योग और पर्यटन को सभी स्तरों पर लाभ होगा। उन्होंने कहा कि आइए आईटी क्षेत्र की समृद्ध क्षमता का दोहन करें और बिम्सटेक को तकनीकी रूप से मजबूत बनाएं।




> प्रधानमंत्री ने कहा कि बिम्सटेक दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया को जोड़ने वाले सेतु के रूप में काम करता है। यह क्षेत्रीय संपर्क, सहयोग और समृद्धि के नए रास्ते खोलने के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में उभर रहा है। उन्होंने दक्षता विकास, अनुसंधान, नवाचार और समुद्री नीतियों में समन्वय बढ़ाने के लिए भारत में एक सतत समुद्री परिवहन केंद्र की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुक्त, खुला, संरक्षित और सुरक्षित हिंद महासागर हमारी साझा प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज जिस समुद्री परिवहन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, वह व्यापारिक नौवहन और माल परिवहन में सहयोग को मजबूत करेगा तथा व्यापार को गति देगा। उन्होंने कहा कि यह केंद्र समुद्री नीतियों में दक्षता विकास, अनुसंधान, नवाचार और समन्वय पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह समुद्री सुरक्षा में सहयोग को भी बढ़ावा देगा।

बिम्सटेक देशों में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ने 'बिम्सटेक चैंबर ऑफ कॉमर्स' की स्थापना करने, वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन आयोजित करने तथा क्षेत्र के भीतर स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर विचार करने का भी प्रस्ताव रखा।

संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने 28 मार्च को आए विनाशकारी भूकंप में म्यांमा और थाईलैंड में हुई जान-माल की हानि पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि म्यांमा और थाईलैंड में आए हालिया भूकंप ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में मिलकर काम करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। उन्होंने आपदा प्रबंधन, राहत और पुनर्वास में सहयोग के लिए भारत में 'बिम्सटेक उत्कृष्टता केंद्र' की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। बिम्सटेक आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के बीच चौथा संयुक्त अभ्यास इस वर्ष भारत में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने बिम्सटेक समूह के दायरे और दक्षता को लगातार बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया, गृह मंत्रियों के तंत्र को संस्थागत बनाने का स्वागत किया और भारत में पहली बैठक आयोजित करने की पेशकश की।

उन्होंने कहा कि यह मंच साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा खतरों, आतंकवाद और नशीली दवाओं तथा मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस संबंध में, मैं इस वर्ष इसकी पहली बैठक भारत में आयोजित करने का प्रस्ताव करता हूं। उन्होंने बिम्सटेक देशों के लिए मानव संसाधन प्रशिक्षण, नैनो सैटेलाइट के निर्माण और प्रक्षेपण तथा रिमोट सेंसिंग डेटा के उपयोग के वास्ते 'ग्राउंड स्टेशन' स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा

प्रधानमंत्री ने कहा कि आइए हम अपने सहयोग को अंतरिक्ष की दुनिया में ले जाएं। आइए हम अपने सुरक्षा तंत्र को भी मजबूत बनाएं। योजना के प्रशिक्षण और दक्षता विकास पहल के तहत मोदी ने भारत के वन अनुसंधान संस्थान और नालंदा विश्वविद्यालय में बिम्सटेक छात्रों को छात्रवृत्ति देने का प्रस्ताव रखा, जो बिम्सटेक देशों के युवा राजनयिकों के लिए हर साल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम है।

### बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार से मुलाकात में मोदी ने उठाया हिंदुओं की सुरक्षा का मुद्दा

बिम्सटेक शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश में हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर भारत की चिंताओं को भी रेखांकित किया। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि दोनों देशों के बीच महौल खराब करने वाली किसी भी बयानबाजी से बचा जाना चाहिए। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रो यूनुस से आग्रह किया कि वे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और उनपर हुए अत्याचार के मामलों की जांच करें। विदेश सचिव के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के प्रति भारत के समर्थन को दोहराया। उन्होंने मुख्य सलाहकार यूनुस को भारत की बांग्लादेश के साथ एक सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की इच्छा को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सीमा पर शांति और सुरक्षा के लिए जरूरी है कि कानून का सख्ती पालन हो और अवैध तौर पर सीमा पार करने पर रोक लगे।

## संक्षिप्त खबरें

### अलविदा 'भारत कुमार', नहीं रहे मशहूर अभिनेता मनोज कुमार

**मुंबई।** मशहूर फिल्म अभिनेता और दिग्गज निर्देशक मनोज कुमार (87) नहीं रहे। उन्होंने यहां के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में आखिरी सांस ली। सारा देश उन्हें उनकी देशभक्ति फिल्मों के लिए जानता है। लोग उन्हें सम्मान से 'भारत कुमार' कहते हैं। हरदिल अजीज अभिनेता के निधन से फिल्म उद्योग ही नहीं सारा देश गहरे सदमे में है। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें भर्ती कराया था। वह आज सुबह 3:30 बजे दुनिया को अलविदा कह गए। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने कहा कि दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित, हमारे प्रेरणास्त्रोत और भारतीय फिल्म उद्योग के 'शेर' मनोज कुमार जी अब हमारे बीच नहीं रहे। यह फिल्म उद्योग के लिए बहुत बड़ी क्षति है और पूरी इंडस्ट्री उन्हें याद करेगी। मनोज कुमार का असल नाम हरिकिशन गिरि गोस्वामी था। उनका जन्मे 24 जुलाई 1937 को ऐबटाबाद में हुआ। देश के बंटवारे के बाद ऐबटाबाद पाकिस्तान का हिस्सा बना।

### वक्फ कानून में संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

**नई दिल्ली।** वक्फ कानून में संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इस संशोधन को मुस्लिम समुदाय के खिलाफ भेदभावपूर्ण बताते हुए याचिका दायर की है। कांग्रेस सांसद की याचिका में कहा गया है कि यह बदलाव मुस्लिम समुदाय के संवैधानिक अधिकारों का हनन है। याचिका में कहा गया है कि वक्फ संशोधन कानून वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन पर मनमाने तरीके से प्रतिबंध लगाता है और मुस्लिम समुदाय के धार्मिक स्वायत्तता को कमजोर करता है। इसी तरह ओवैसी की याचिका में कहा गया है कि वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्यसभा से पास हो चुका है। इस बिल को कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी मिलना बाकी है।

### लॉरेन्स विश्नोई-रोहित गोदारा गैंग का सक्रिय सदस्य आदित्य जैन गिरफ्तार

**जयपुर।** राजस्थान पुलिस मुख्यालय की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) लॉरेंस बिश्नोई-रोहित गोदारा गिरोह के सक्रिय सदस्य आदित्य जैन उर्फ टोनी को दुबई (यूएई) से गिरफ्तार कर जयपुर लाई है। आरोपी को इंटरपोल के माध्यम से सीबीआई की मदद से हिरासत में लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आदित्य जैन गैंग के लिए विदेश में बैठकर धमकी भरे कॉल्स की व्यवस्था करता था और गैंग का 'कंट्रोल रूम' संचालित कर रहा था। वह जबरन वसूली और गोलीबारी जैसे कई मामलों में वांछित था। टोनी मूल रूप से डीडवाना-कुचामन जिले के कुचामन शहर का निवासी है और उसके पिता व्यवसायी हैं। एडीजी (अपराध एवं एजीटीएफ) दिनेश एम.एन. ने बताया कि आरोपी की लंबे समय से तलाश की जा रही थी।

## महाराष्ट्र: कुएं में गिरा ट्रैक्टर-ट्रॉली सात महिला मजदूरों की मौत

**छत्रपति संभाजीनगर।** महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में शुक्रवार सुबह एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के कुएं में गिर जाने से खेत में काम करने वाली सात महिला मजदूरों की मौत हो गई और तीन अन्य को बचा लिया गया।

जिला सूचना अधिकारी (डीआईओ) प्रवीण ताके ने बताया कि दुर्घटना सुबह लगभग 7:30 बजे लिंबगांव पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले असेगांव गांव में हुई, जब वाहन सड़क से उतरकर पानी से लबालब भरे कुएं में गिर गया। पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और कुएं से बड़ी मात्रा में पानी पंप की मदद से बाहर निकाला। डीआईओ ने बताया कि सात महिलाओं के शव कुएं से बाहर निकाले गए, जबकि तीन अन्य को बचा लिया गया।

अधिकारी ने बताया कि सभी महिलाएं हिंगोली जिले के वासमत तहसील के अंतर्गत आने वाले गुंजगांव की रहने वाली थीं। मृतकों की पहचान ताराबाई सतवाजी जाधव, धुंपता सतवाजी जाधव (18), सरस्वती लखन बुराड, सिमरन संतोष कांबले (18), चैत्रबाई माधव पारधे, ज्योति इराबाजी सराओदे, सपना तुकाराम राउत के रूप में हुई है। तीन अन्य महिला खेतिहर मजदूरों को कुंए से बचा लिया गया। इनके नाम पार्वतीबाई बुराड, पुरभाबाई कांबले, सतवाजी जाधव हैं।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मजदूरों की मौत पर दुख व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'सुबह असेगांव में दुर्घटना में कुछ महिलाओं की मौत हो गई। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन महिलाओं को सुरक्षित बचा लिया गया है। हम हिंगोली और नांदेड़ प्रशासन के संपर्क में हैं। बाद में पत्रकारों से फडणवीस ने कहा कि दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।



> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुर्घटना में हुई जानमाल की क्षति पर शोक व्यक्त किया और प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि घायलों को 50-50 हजार रुपये दिये जायेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र के नांदेड़ में हुई दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।

## नोएडा: घर की छत पर महिला और उसके दो बच्चे फंदे से लटके मिले

**नोएडा।** थाना बिसरख क्षेत्र के पुराना हैबतपुर गांव में एक घर की छत पर महिला और उसकी छह वर्षीय बेटी और पांच वर्षीय बेटे का शव रेलिंग पर फंदे से लटका मिला है। महिला ने पति से हुए विवाद के बाद बेटी और बेटे सहित कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। परिवार के लोग तीनों को अस्पताल ले गए, जहां पर डॉक्टरो ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर को एक निजी अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली कि आरती पत्नी राजकुमार, उनकी बेटी और बेटे को उनके परिवार के लोगों द्वारा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां पर उनकी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने जब डॉक्टर से बात की तो पता चला कि तीनों की मौत फांसी लगाने से हुई है। अवस्थी ने बताया कि घटना की शुरुआती जांच से ज्ञात हुआ की आरती ने घरेलू क्लेश के कारण घर की छत पर जाकर अपनी बेटी और बेटे के साथ छत की रेलिंग पर दुपट्टे से लटक कर जान दे दी।

उन्होंने बताया की आरती ने अपनी बेटी को पहले एक फंदे से लटकाया। उसके बाद अपने बेटे के साथ एक ही फंदे में खुद लटक गई थी। अवस्थी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरती का पति ऑटो रिक्शा चलाता है। वह सुबह के समय ऑटो रिक्शा लेकर काम पर निकल गया था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि रात को और सुबह के समय आरती और उसके पति में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। अवस्थी ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

## अमेरिका ने किया भारत पर शुल्क 27% से घटाकर 26%

**नई दिल्ली।** अमेरिका ने भारत पर लगाए जाने वाले आयात शुल्क को 27 प्रतिशत से घटाकर 26 प्रतिशत कर दिया है। शुल्क नौ अप्रैल से लागू होंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को विभिन्न देशों के खिलाफ जवाबी शुल्क की घोषणा करते हुए एक चार्ट दिखाया था जिसमें भारत, चीन, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे देशों पर लगाई जाने वालीं नई शुल्क दरों का उल्लेख था।

चार्ट के अनुसार, भारत 'मुद्रा की विनिमय दर में हेरफेर और व्यापार बाधाओं' सहित 52 प्रतिशत शुल्क लेता है और अमेरिका अब भारत से 26 प्रतिशत का रियायती जवाबी शुल्क वसूलेगा। हालांकि, व्हाइट हाउस के दस्तावेजों में भारत पर 27 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने का जिक्र था लेकिन नवीनतम अद्यतन दस्तावेज में इसे घटाकर 26 प्रतिशत कर दिया गया है। इस संबंध में पूछे जाने पर उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि शुल्क के एक प्रतिशत कम होने का ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। अमेरिका वित्त वर्ष 2021-22 से 2023-24 तक भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और द्विपक्षीय व्यापार में 10.73 प्रतिशत रही।

**अमेरिका द्वारा भारत पर लगाये जाने वाले आयात शुल्क 9 अप्रैल से होंगे लागू**

अमेरिका के साथ भारत का 2023-24 में वस्तुओं पर व्यापार अधिशेष (आयात व निर्यात के बीच का अंतर) 35.32 अरब अमेरिकी डॉलर था। यह 2022-23 में 27.7 अरब अमेरिकी डॉलर, 2021-22 में 32.85 अरब अमेरिकी डॉलर, 2020-21 में 22.73 अरब अमेरिकी डॉलर और 2019-20 में 17.26 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। अमेरिका को 2024 में भारत के मुख्य निर्यात में औषधि निर्माण व जैविक, दूरसंचार उपकरण, कीमती व अर्ध-कीमती पत्थर, पेट्रोलियम उत्पाद, सोना व अन्य कीमती धातु के आभूषण आदि शामिल था।

## उत्तर-पश्चिम भारत में लू चलने की संभावना दिल्ली में पारा 42 के पार जाने का अनुमान

**नई दिल्ली।** भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को बताया कि अगले छह दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में लू चलने और दिल्ली में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है।

शुक्रवार को मौसम विभाग ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में दक्षिणी हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, गुजरात, राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश है। आईएमडी ने बताया कि इस अवधि के दौरान मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने का अनुमान है। दिल्ली में छह या सात अप्रैल तक कुछ स्थानों पर दिन का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है। शुक्रवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 18 डिग्री और अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। आने वाले चार से पांच दिनों तक अधिकतम तापमान दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर सामान्य से 5-6 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। तेज हवा के साथ दक्षिण-पश्चिमी हवाएं चलेंगी। इस बीच नौ अप्रैल से स्थिति में सुधार होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने 8 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने इस सप्ताह की शुरुआत में बताया था कि भारत में अप्रैल से जून तक सामान्य से अधिक तापमान रहने का अनुमान है, साथ ही मध्य एवं पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में लू चलने का अनुमान है।

भारत में आमतौर पर अप्रैल से जून के बीच चार से सात दिन लू चलने के दर्ज किए जाते हैं। उत्तर प्रदेश (पूर्वी क्षेत्र), झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे कुछ राज्यों में इस अवधि के दौरान 10 से 11 दिन तक लू चल सकती है। जिन राज्यों में सामान्य से अधिक लू वाले दिन रहने का अनुमान है, उनमें राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के उत्तरी हिस्से और तमिलनाडु शामिल हैं।



फाइल फोटो

## छत्तीसगढ़: 20 लाख के इनामी चार नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

**सुकमा।** छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 20 लाख के इनामी चार नक्सलियों ने शुक्रवार को आत्मसमर्पण किया। पीएलजीए बटालियन नंबर 01 और पश्चिम बस्तर डिवीजन में कंपनी नंबर दो में सक्रिय 02 हार्डकोर सहित 04 नक्सलियों ने आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बिना हथियार आत्मसमर्पण किया। इस दौरान सुकमा एसपी किरण चव्हाण, सीआरपीएफ 131वाहिनी कमांडेंट दीपक कुमार साहू, द्वितीय कमान अधिकारी डीआईजी ऑफिस सुकमा सुरेश सिंह पायल, एएसपी अभिषेक वर्मा, एएसपी नक्सल अभियान सुकमा मनीष रात्रे और सीआरपीएफ 02 वाहिनी निरीक्षक करुणाकर बेहेरा उपस्थित थे।

एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की "छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति" एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे 'नियद नेल्ला नार' योजना से प्रभावित होकर तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सली हिंसा से तंग आकर नक्सली संगठन में सक्रिय एक महिला सहित चार नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है।

आत्म समर्पित नक्सलियों में आठ लाख का इनामी, संतोष उर्फ सन्ना बारसे, आठ लाख का इनामी, अरूण उर्फ माड़वी हुर्रा, दो लाख का इनामी, सोड़ी मुक्का एवं इनामी महिला नक्सली माड़वी रोशनी जिला सुकमा शामिल हैं। सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन के नये पुनर्वास नीति 'छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति -2025' के तहत 50-50 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि व कपड़े प्रदान किया गया।

### मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दिल्ली विवि में अभिनंदन

# दिल्ली सरकार की वजह से नहीं रुकेगा डीयू का कोई भी काम: मुख्यमंत्री गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय का कोई भी काम हो, वो दिल्ली सरकार की वजह से नहीं रुकेगा। सीएम गुप्ता दिल्ली विश्वविद्यालय में उनके अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन की यादों को ताजा करते हुए कहा कि मुझे लीडर बनाने वाला डीयू का दौलत राम कॉलेज है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय मिल कर काम करेंगे। शिक्षा को आगे बढ़ाने में डीयू का पूर्ण सहयोग दिल्ली सरकार को रहेगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने लीडर बनने की कहानी बताते हुए कहा कि जब 1993 में मैं दौलत राम कॉलेज में फ़र्स्ट इयर में आई तो पूरे साल कॉलेज में स्ट्राइक चलती रही। इसी कारण मेरा डूसू प्रतिनिधियों से संपर्क बढ़ा और फिर एबीवीपी के संपर्क में आई। फ़ाइनल इयर मंड डूसू अध्यक्ष बनी। उन्होंने बताया कि एक स्कूटी पर चलकर उन्होंने डीयू व कॉलेजों और दिल्ली में राजनीतिक कार्यक्रम किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि तब उन्होंने सोचा भी नहीं था कि दिल्ली की जिन सड़कों पर घूम रही हूँ इन सड़कों को कभी ठीक करवाने की जिम्मेवारी मेरी होगी। कभी यह नहीं सोचा था कि जिस वीसी ऑफिस पर धरने करते थे, कभी उसमें सम्मान मिलेगा और वहाँ के मंच से बोलना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीयू स्टूडेंट होने के नाते जो फर्ज मेरा है उसे पूरी जिम्मेवारी से निभाऊँगी। डीयू का कोई भी काम हो वो दिल्ली सरकार की वजह से रुकने वाला नहीं है। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में पर्यटन स्थलों के साथ ही एजुकेशनल ट्यूरिजम भी बढ़े, इस पर काम होगा। मुख्यमंत्री ने डीयू की गलियों से जुड़ी यादों को ताजा करते हुए दौलत राम कॉलेज के सामने वाली दीवार, भेलपूरी और लैमन सोडे को भी याद किया।

डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का अभिनंदन करते हुए कहा कि अपने बच्चों की तरक्की से जैसे अभिभावक और शिक्षक खुश होते हैं वैसे ही यूनिवर्सिटी और कॉलेज भी खुश होते हैं। डीयू की विद्यार्थी रेखा गुप्ता का दिल्ली की मुख्यमंत्री बनना हम सबके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि डीयू को आप पर गर्व है। आपने डीयू को एक छात्रा के रूप में देखा, डूसू अध्यक्ष के रूप में देखा, एक नगर पार्षद के रूप में देखा और अब एक मुख्यमंत्री के रूप में देखने की बारी है। कुलपति ने कहा कि जितनी भी छात्राएँ यहाँ पर बैठी हैं, आप उनकी रोल मॉडल और प्रेरणा स्रोत होंगी। आपका आना हमारे विद्यार्थियों को प्रेरित करेगा। इसके साथ ही कुलपति ने डीयू में एकल बालिका एवं अनाथ बच्चों के लिए दाखिलों में सीटों के आरक्षण सहित डीयू की अनेक उपलब्धियों का वर्णन भी किया।

कार्यक्रम के आरंभ में एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मगो ने मुख्यातिथि सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया। दौलत राम कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. सविता रॉय ने अपने कॉलेज की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत किया। समारोह के समापन पर डीयू प्रॉक्टर प्रो. रजनी अब्बी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डीयू दक्षिणी परिसर के निदेशक प्रो. श्रीप्रकाश सिंह और डीन स्टूडेंट वेलफ़ैर प्रो. रंजन त्रिपाठी सहित अनेकों डीन, विभागाध्यक्ष, प्रिंसिपल, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी तथा सैंकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# 5 सौ करोड़ से सोनिया विहार पुश्ता पर बनेगा एलिवेटेड रोड : मंत्री वर्मा

❖ जनभावना टाइम्स

- पीडब्ल्यूडी मंत्री ने विश्वास नगर विधानसभा के कड़कड़ी मोड़ और बाल्को सोसाइटी का दौरा

**नई दिल्ली।** दिल्ली में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और यातायात की सुगमता के लिए लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने शुक्रवार को पांच सौ करोड़ की लागत से सोनिया विहार पुश्ता पर छह किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड के निर्माण की घोषणा की।

यह एलिवेटेड रोड नानकसर गुरुद्वारा टी-पॉइंट से दिल्ली-यूपी बॉर्डर (ट्रोनिका सिटी) तक बनाया जाएगा। प्रवेश वर्मा ने बताया कि दिल्ली सरकार के मंत्री व स्थानीय विधायक कपिल मिश्रा लंबे समय से सोनिया विहार क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे थे। इस क्षेत्र में यातायात की गंभीर समस्या को देखते हुए पीडब्ल्यूडी ने फ्लाईओवर निर्माण का निर्णय लिया है, जिससे स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि एलिवेटेड रोड की लंबाई लगभग साढ़े पांच से छह किलोमीटर होगी। एलिवेटेड के खंभे सड़क के दोनों ओर बनाए जाएंगे और इसकी अनुमानित लागत पांच सौ करोड़ रुपये रहेगी। इसका निर्माण पीडब्ल्यूडी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) द्वारा किया जाएगा। इसकी अनुमति सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग (जीएनसीटीडी) द्वारा दी जाएगी।

वर्मा ने कहा कि मंत्री कपिल मिश्रा इस सड़क के निर्माण के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे। सोनिया विहार के लोगों को जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए यह प्रोजेक्ट बहुत जरूरी था। हालांकि क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ होने के कारण हमने अब एलिवेटेड फ्लाईओवर बनाने का निर्णय लिया है। मंगलवार को हमने इस विषय पर मुख्यमंत्री से भी चर्चा की और उन्होंने इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति दे दी है।

इस फ्लाईओवर से दिल्ली के बुनियादी ढांचे को नई गति मिलेगी, यातायात की समस्या कम होगी और क्षेत्र के लोगों को राहत मिलेगी। हमारा संकल्प दिल्ली के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि इस एलिवेटेड रोड के निर्माण से दिल्ली और यूपी के ट्रॉनिका सिटी के बीच यातायात सुगम होगा। क्षेत्र में जाम की समस्या दूर होगी और स्थानीय निवासियों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी। पीडब्ल्यूडी इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द शुरू करने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर रहा है।

## संक्षिप्त खबरें

### हत्या की साजिश नाकाम, प्रिंस तेवतिया गैंग के 4 बदमाश हथियारों के साथ गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** साउथ दिल्ली में एक बड़ी आपराधिक वारदात को पुलिस ने समय रहते टाल दिया। प्रिंस तेवतिया गैंग के चार बदमाश एक गैंगस्टर की हत्या की साजिश रचते हुए पकड़े गए। इनके पास से चार पिस्टल बरामद की गई हैं, जिनमें एक देसी कट्टा भी शामिल है। चारों बदमाश इलाके में रैकी कर रहे थे, तभी साउथ दिल्ली पुलिस को इस साजिश की भनक लग गई और स्पेशल स्टाफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अंबेडकर नगर इलाके से चारों को गिरफ्तार कर लिया।डीसीपी साउथ अंकित चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार बदमाशों पर हत्या, रंगदारी और डकैती जैसे गंभीर आरोपों समेत कुल 28 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, यह सभी आरोपी प्रिंस तेवतिया गैंग से जुड़े हुए हैं। प्रिंस तेवतिया की दो साल पहले हत्या हो चुकी है, लेकिन ये आरोपी उसके गैंग को दोबारा सक्रिय करने की कोशिश में लगे हुए थे। पुलिस द्वारा समय रहते की गई कार्रवाई से दिल्ली में गैंगवार की एक बड़ी वारदात टल गई। डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में गैंग का मास्टरमाइंड भी शामिल है। सभी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है, ताकि इनसे पूछताछ कर और जानकारियां हासिल की जा सकें।

### तीन तमंचे व अवैध शराब समेत पांच गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने बदमाशों व शराब तस्करों के खिलाफ अभियान चलाते हुए पांच को गिरफ्तार है। इनमें तीन बदमाश व दो महिला शराब तस्कर शामिल हैं। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि इनके कब्जे से तीन तमंचे, चार कारतूस व मोटरसाइकिल के अलावा अवैध शराब के 222 पव्वे, 24 बीयर व 3400 रुपये नकद बरामद किया गया है। पकड़े गये एक आरोपित साजिद उर्फ जैद पर लूट समेत 30 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस इन पकड़े गए लोगों से पूछताछ कर इनके हथियारों व शराब के आपूर्तिकर्ताओं व इनके पूरे नेटवर्क के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है।

# दिल्ली विधानसभा में छह को भगवान महावीर गाथा का आयोजन

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा परिसर में छह अप्रैल को भगवान महावीर गाथा नामक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाण महोत्सव और 2624वें जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दी।

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में और विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। जैन समाज के विशिष्टजन इस आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन में भाग लेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रसंत परमाचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी मुनिराज का पावन सान्निध्य प्राप्त होगा, जो भगवान महावीर के जीवन, सिद्धांतों और शिक्षाओं पर विशेष प्रवचन देंगे। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, करुणा, नैतिकता और शांति के शाश्वत संदेश को प्रसारित करना है। यह आयोजन भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव समिति एवं सकल जैन समाज दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

# दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि को लेकर 'आप' ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** दिल्ली में सत्ता परिवर्तन के बाद प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा हमला बोला है। 'आप' नेताओं का कहना है कि भाजपा सरकार बनते ही शिक्षा माफिया एक बार फिर सक्रिय हो गया है और प्राइवेट स्कूलों ने 20 से 82 प्रतिशत तक फीस बढ़ा दी है। इससे सबसे ज्यादा मार मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ी है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार के दस सालों में प्राइवेट स्कूलों पर सख्त नियंत्रण था। किसी भी स्कूल को मनमाने तरीके से फीस बढ़ाने की इजाजत नहीं थी। जरूरत पड़ने पर ऐसे स्कूलों को नोटिस जारी कर उनके रजिस्ट्रेशन रद्द तक किए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बनते ही प्राइवेट स्कूल माफिया को खुली छूट मिल गई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के नामी स्कूलों ने फीस में भारी इजाफा किया है। द्वारका, वसंत कुंज और रोहिणी स्थित एक प्रतिष्ठित स्कूल में 7वीं और 10वीं के उन छात्रों को क्लास में नहीं जाने दिया गया, जिनके माता-पिता ने बढ़ी हुई फीस नहीं जमा की।

इन बच्चों को पूरे दिन लाइब्रेरी में बैठा कर रखा गया और टॉयलेट जाने तक के लिए अटेंडेंट साथ भेजा गया। बच्चों को शर्मिंदा किया जा रहा है, जिससे उनका मानसिक उत्पीड़न हो रहा है। उन्होंने कहा, "मयूर विहार फेस-3 के सालवान पब्लिक स्कूल ने 82 प्रतिशत फीस वृद्धि की घोषणा की है। यहां बच्चों के रिजल्ट तक रोक दिए गए हैं। वहीं, प्रीतमपुरा के महाराजा अग्रसेन स्कूल और बसंत कुंज के पर्जना स्कूल ने भी भारी फीस बढ़ोतरी की है, जिसके खिलाफ अभिभावक प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन भाजपा सरकार मौन है और स्कूल प्रबंधन के साथ खड़ी नजर आ रही है।

आप' विधायक संजीव झा ने कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही केजरीवाल की चेतावनी सच साबित हो रही हैं। भाजपा ने चुनाव में दावा किया था कि जनकल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी, लेकिन सच्चाई यह है कि न बिजली 24 घंटे मिल रही है और न ही शिक्षा सस्ती रह गई है। वहीं, नेता आदिल खान ने कहा कि प्राइवेट स्कूलों को बेलगाम छोड़ देना मध्यम वर्ग पर सीधा हमला है। भाजपा सरकार पूंजीपतियों के साथ खड़ी है, जबकि आम आदमी पार्टी आम जनता के हक की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने मांग की कि फीस वृद्धि को तुरंत वापस लिया जाए और स्कूलों की मनमानी पर कड़ी कार्रवाई की जाए। आम आदमी पार्टी ने साफ किया है कि वह इस मुद्दे को लेकर जनता के साथ खड़ी है और प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के खिलाफ सड़कों पर उतरने से भी पीछे नहीं हटेगी।

# एम्स के छात्रावास में चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** दक्षिण जिले की हौज खास थाना पुलिस ने डॉक्टर का कोट पहनकर एम्स के छात्रावास के अंदर घुसकर वहां से सोने के आभूषण चोरी करने वाली एक डिप्लोमाधारी चोरनी को गिरफ्तार किया है। इसके पास से चुराए गए आभूषण के अलावा वारदात में इस्तेमाल स्कूटी पुलिस ने बरामद की है। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने शुक्रवार को बताया कि पूछताछ में पता चला कि पकड़ी गई महिला मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी से डिप्लोमा कर चुकी है। वह साइंस से ग्रैजुएट है। वह गाजियाबाद के बृज विहार की रहने वाली है। डीसीपी के अनुसार चोरी की वारदात 27 मार्च को हुई थी, जिसकी शिकायत हौज खास थाना में महिला डॉक्टर की ओर से करवाई गई थी। पुलिस टीम ने महिला शिकायतकर्ता के बयान पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। छात्रावास में लगे लगभग 100 सीसीटीवी फुटेज को खंगालने के बाद पुलिस टीम इस महिला आरोपित तक पहुंचने में कामयाब हुई। सीसीटीवी की जांच में पता चला कि एक महिला डॉक्टर का सफेद कोट पहनकर छात्रावास में घूम रही है और अलग-अलग कमरे में जा रही है। इस बीच पुलिस को एक स्कूटी दिखाई दी, जिससे महिला छात्रावास में आई थी। पुलिस ने स्कूटी के नंबर की जांच की तो पता चला कि वह गाजियाबाद के ब्रिज विहार के पते पर है। पुलिस टीम ने वहां छापा मारा और उसे पकड़ लिया। पूछताछ में महिला ने खुलासा किया कि उसे मंहगे आभूषण पहनने का शौक था।

# लूटे गए मोबाइल फोन व बाइक के साथ तीन गिरफ्तार

**नई दिल्ली (जनभावना टाइम्स)।** मधु विहार इलाके की पुलिस ने दो बदमाशों को लूटे गए मोबाइल फोन व एक वाहन चोर को चोरी के वाहन समेत पकड़ा है। पूर्वी जिले के डीसीपी अभिषेक धानिया ने शुक्रवार को बताया कि आरोपितों पर आधा दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं। इनकी पहचान अंकुश व देव राज उर्फ नंदू और एक की नाबालिग वाहन चोर के रूप में हुई है। इनके कब्जे से एक मोबाइल फोन व चोरी का एक दुपहिया वाहन बरामद हुआ है। अंकुश और देवराज दोनों आदतन अपराधी हैं और दोनों पर आधा दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक बीती देर रात मधु विहार थाने में मामले की शिकायत मिली थी।

# DMRC ने मोमेंटम दिल्ली सारथी 2.0 ऐप के जरिये 'स्मार्ट डोर-टू-डोर ट्रैवल' सेवा की शुरुआत की

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने मोमेंटम दिल्ली सारथी 2.0 ऐप के माध्यम से शुक्रवार को 'स्मार्ट डोर-टू-डोर ट्रैवल' सेवा की शुरुआत की है। डीएमआरसी ने बाइक टैक्सी और ऑटो-रिक्शा के लिए रैपिडो के साथ महिला-नेतृत्व वाले एक स्टार्टअप शीराईडस के साथ साझेदारी की है। जो विशेष रूप से महिला मेट्रो यात्रियों के लिए बाइक टैक्सी सेवा उपलब्ध कराती है।

उन्होंने कहा कि यह सेवा यात्रियों को मेट्रो टिकट और आखिरी स्टेशन के लिए वन-स्टॉप सॉल्यूशन की व्यवस्था देगा। इससे यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। ऑटो-पे पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड के सहयोग से विकसित यह पहल विभिन्न बुकिंग की आवश्यकता को समाप्त करेगी। मेट्रो स्टेशनों और अंतिम गंतव्यों के बीच दूरी को कम करेगी। डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार ने कहा कि इस एकीकृत सेवा की शुरुआत से हम शहरी आवागमन में पहले और आखिरी स्टेशन को जोड़ने के रूप में एक सबसे महत्वपूर्ण चुनौती का हल करने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सारथी-मोमेंटम 2.0 ऐप सभी के लिए मेट्रो यात्रा को अधिक सुलभ, कुशल और सुविधाजनक बनाएगा। ऑटो-पे पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड के सीईओ अनुराग बाजपेयी ने कहा कि डीएमआरसी के साथ हमारी साझेदारी स्मार्ट शहरी गतिशीलता में एक नई उपलब्धि का संकेत देती है। प्रौद्योगिकी का उपयोग कर हम सार्वजनिक परिवहन को अधिक सहज और यात्री-अनुकूल बना रहे हैं।

### यह ऐप कैसे काम करता है

उपयोगकर्ता गंतव्य स्थल को प्रविष्ट करता है, ऐप निकटतम मेट्रो स्टेशनों और सबसे बेहतर पहले और आखिरी स्टेशन परिवहन विकल्पों का सुझाव देता है, उपयोगकर्ता के स्थान से निकटतम मेट्रो स्टेशन तक पिक-अप के लिए बाइक टैक्सी या ऑटो-रिक्शा बुक किया जा सकता है, गंतव्य स्टेशन पर पहुंचने से पहले आखिरी स्टेशन के लिए एक और राइड बुक की जा सकती है और यदि मेट्रो स्टेशन पैदल दूरी के भीतर है तो ऐप में वाहन का कोई सुझाव नहीं मिलता है।

# भयमुक्त वातावरण हेतु मां कालरात्रि पूजन

### आज होगी दुर्गाष्टमी पर भव्य भगवती चौकी

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर गोरख पार्क शाहदरा में स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के पावन सानिध्य मे चल रहें 122वां नवरात्रि महोत्सव एवम धर्म सम्मेलन के सातवें दिन भयमुक्त वातावरण की कामना हेतू मां कालरात्रि का पूजन किया गया।

सद्गुरु राजदरबार के प्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सान्निध्य में सप्तम भाव मां कालरात्रि का पूजन किया गया। मां कालरात्रि का दर्शन तो अत्यंत विकराल भयभीत करने वाला है लेकिन यह नारियल की भांति ऊपर से कठोर लेकिन भीतर से नरम और करुणा रस से परिपूर्ण होकर अपने भक्तों को सभी प्रकार के भयों से मुक्त कर देती है। वर्तमान में प्राकृतिक आपदाएं, धार्मिक वैमनस्य आदि को लेकर साधारण व्यक्ति मन ही मन बहुत भयभीत हैं इस विभिन्न प्रकार के भयों से मुक्ति की प्राप्ति हेतु केवल एक ही मार्ग एक ही साधन और वह है शक्ति की साधना आराधना जिससे मन को शांति प्राप्त हो सकती है।

मंदिर परिसर में प्रसिद्ध महिला गायिका बबीता श्रीवास्तव द्वारा मातृ गुणगान किया गया। अति सुंदर भजनों से भक्तसमूह को मां की भेंट 'मेरी मां दे नोराते आए, भगतां नू पा देयो चिट्ठियां' गाकर मंत्रमुग्ध कर दिया। देवी देवताओं के रूप में नृत्य नाटिका की श्रंखला में मां शेरावाली की नयनाभिराम नाटिका सुंदर बोल 'शेर पे सवार होके आजा शेरावालिए' पर भक्तों ने मां के स्वरूप को मत्था टेका। सामूहिक दुर्गा चालीसा पाठ, फलाहार भंडारा प्रसाद वितरण करते हुए चौकी संपन्न हुई। शनिवार शाम 5 बजे दुर्गाष्टमी पर स्वामी राजेश्वरानंद द्वारा पूर्ण नवरात्र मौन व्रत संपन्न होगा जिसमे जागरण पंथ के प्रसिद्ध कलाकार दीपक शर्मा जी महामाई का गुणगान करेंगे।

## संपादकीय
आदित्य वशिष्ठ

# टैरिफ की चुनौती

पूरी दुनिया को टैरिफ युद्ध की चेतावनी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब इसे हकीकत बना दिया है। तमाम विकासशील व विकसित देशों के साथ भारत भी इसकी जद में आया है। मौके की नजाकत को समझते हुए भारत ने हालात से समझौता करने का निर्णय किया है। कमोबेश, इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मुकाबले लगाए गए टैरिफ को स्वीकार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर यूरोपीय संघ, चीन और कनाडा ने अपने-अपने देशों के आर्थिक हितों की रक्षा करने के लिये जवाबी कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। भारत के लिये अच्छी बात यह है कि हमारे मुख्य प्रतिस्पर्धी-चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और थाईलैंड पर हम से कहीं अधिक शुल्क लगाया गया है। नई दिल्ली को यह भी उम्मीद है कि वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम चल रहा है, जिसके जरिये घरेलू उद्योग को टैरिफ वृद्धि के दुष्प्रभावों से निपटने में मदद मिल सकती है। वैसे देखा जाए तो भारत के लिये प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एक अवसर मौजूद हैं। इस दौरान भारत को व्यापार करने में आसानी बढ़ाने तथा लाभांश प्राप्त करने के लिये अपने बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी बल मिलेगा। ध्यान रहे कि ऐसा ही अवसर भारत के सामने तब भी आया था जब कोविड-19 महामारी के चलते चीन के उत्पादन की रफ्तार धीमी हो गई थी। चीन ने ऐसा कदम लंबे समय से चली आ रही जीरो टॉलरेंस की कोविड नीति के चलते उठाया था। जिसके चलते अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को विकल्प तलाशने के लिये प्रेरित किया था। लेकिन भारत इसके बावजूद हालात का ज्यादा लाभ नहीं उठा पाया था। विडंबना ये रही कि वियतनाम और थाईलैंड वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों का अधिकतम लाभ उठाने में भारत से आगे निकल गए। अतीत से सबक लेकर भारत को नई स्थितियों का लाभ उठाने के लिये बेहतर ढंग से तैयार रहना चाहिए। वैसे इन हालात में बहुत कुछ भारत की तुलना में ट्रंप के टैरिफ से अधिक प्रभावित देशों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। इन स्थितियों में एक चिंताजनक संभावना यह भी है कि चीन और वियतनाम जैसे देश पहले से ही अमेरिका के लिये निर्धारित अपने निर्यात को भारत में भेजने की कोशिश कर सकते हैं। जिसमें कम लागत वाले सामानों के जरिये भारतीय बाजारों को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है। भारतीय बाजार तो पहले ही चीन के सस्ते उत्पादों से पटे पड़े हैं। जिससे दोनों देशों में व्यापार असंतुलन की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 के वित्तीय वर्ष में दोनों देशों के बीच व्यापार में हमारा घाटा 85 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है। वैसे चिंता की बात यह भी है कि भारत ने बीजिंग के साथ व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में कुछ खास कदम नहीं उठाये हैं। हालांकि, भारत ने कुछ चीनी उत्पादों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी जरूर लगाई है। इसका मकसद स्वदेशी उत्पादों को पड़ोसी देश के सस्ते आयात से संरक्षण देना ही था।

# मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहीम का आह्वान

*मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच संघ की तरफ से पहले भी कई बयान आते रहे हैं। ये बयान दर्शाते हैं कि संघ भले ही सीधे-सीधे विवाद से खुद को भले ही अलग रखता हो, वैचारिक रूप से वह इनको पूरा समर्थन देता है। संघ का समर्थन देश को अराजक बनाने का कभी नहीं रहा, उसके सामने बड़ा लक्ष्य देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का भी है। बांग्लादेश समेत कई पड़ोसी देशों में भारत-विरोधी शक्तियां नए सिरे से सक्रिय होने लगी हैं, उनसे लड़ने की ताकत एवं रणनीति भी संघ चाहता है। संघ सामंजस्यपूर्ण और संगठित भारत के आदर्श को आकार देने के लिये प्रतिबद्ध है। श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति जैसे आंदोलनों ने भारत के सभी वर्गों और क्षेत्रों को सांस्कृतिक रूप से संगठित किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर सीमा सुरक्षा, शासन में सहभागिता से लेकर ग्रामीण विकास तक, राष्ट्रीय जीवन का कोई भी पहलू संघ के स्वयंसेवकों से अछूता नहीं है। सौ वर्षों की संघ यात्रा हिंदू एकता, विश्व शांति व समृद्धि के साथ सामंजस्यपूर्ण और एकजुट भारत के भविष्य के संकल्प के साथ-साथ काशी-मथुरा के मुद्दे से भी जुड़ी है। हिंदुओं को बचाने और उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ देश सेवा में तत्पर करने के लिये उनकी आस्था एवं अस्तित्व पर लगे घावों को तो भरना ही होगा।*

- ललित गर्ग

हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिये विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है। इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया है या भूला दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकार्यवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कह कर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। पिछले कुछ समय से इनको लेकर एक ऊहापोह की स्थिति थी, लेकिन संघ के इस मुद्दे पर छाये धुंधलको को हटाते हुए अपने नये बयान से ऊर्जा का संचार किया है। भले ही इससे राजनीति गर्माये, लेकिन हिंदू आस्था को इससे खुशी मिली है।

संघ की कन्नड़ साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने में सफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढ़ेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल 2027 की शुरुआत में ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार एवं उत्तर प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में जातिगत गणना और आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें हो रही हैं। इन दोनों चुनावों में काशी और मथुरा बड़ा मुद्दा बने, तो कोई आश्चर्य नहीं है। दोनों मन्दिर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के दो छोरों पर स्थित हिंदुओं के दो बड़े पवित्र एवं पावन धर्मस्थल हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के रूप में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के रूप में हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण आस्था-स्थल हैं, जहां लोग मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं। दोनों मंदिर हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और करोड़ो भक्तों को आकर्षित करते हैं, दोनों मंदिर भारतीय संस्कृति और इतिहास का अहम हिस्सा हैं और उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

काशी में विश्वनाथ और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिंदू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की दृढ़ता और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं। दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भले ही पिछले साल दिसंबर में मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का उन्होंने यह प्रयास किया था। लेकिन काशी और मथुरा भी उसमें शामिल रहे हो, ऐसा कैसे सोचा जा सकता है? होसबले ने इस साक्षात्कार में गौ हत्या, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी चिंताओं को स्वीकार किया। उन्होंने अस्पृश्यता यानी छुआछूत को खत्म करने, युवाओं में संस्कृति के संरक्षण और देशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबाले ने त्रिभाषी दृष्टिकोण का समर्थन किया और इसे 95 प्रतिशत भाषाई विवादों का समाधान बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। यदि भारत में हिंदू समाज मजबूत और संगठित नहीं है, तो केवल 'अखंड भारत' के बारे में बोलने से परिणाम नहीं मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगा, जैसे अस्पृश्यता को समाप्त करना, युवाओं में मूल्यों का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। निश्चित ही दत्तात्रेय होसबले के बोल से जहां हिंदू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा को बल मिला है, वहीं राष्ट्रीयता भी मजबूत होती हुई दिख रही है। संघ की स्थापना भी इसी उद्देश्य एवं राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो न जाये, हिंदू समाज पर रह-रह हो रहे हमले रूके, हिंदू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास विराम पाये-इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने की दृष्टि से दत्तात्रेय होसबले ने जगाया है, चेताया है, संगठित होने का आह्वान किया है। निश्चित तौर पर इन दोनों मन्दिर मुद्दों को नए सिरे से हवा देने की इस कवायद ने संघ विरोधियों एवं मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के सामने एक नई गंभीर चुनौती पेश की है। खासकर यह देखते हुए कि अयोध्या की रणनीतिक सफलता ने हिंदुत्व की राजनीति का आधार मजबूत किया है, हिंदुओं को संगठित किया है।

मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच संघ की तरफ से पहले भी कई बयान आते रहे हैं। ये बयान दर्शाते हैं कि संघ भले ही सीधे-सीधे विवाद से खुद को भले ही अलग रखता हो, वैचारिक रूप से वह इनको पूरा समर्थन देता है। संघ का समर्थन देश को अराजक बनाने का कभी नहीं रहा, उसके सामने बड़ा लक्ष्य देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का भी है। बांग्लादेश समेत कई पड़ोसी देशों में भारत-विरोधी शक्तियां नए सिरे से सक्रिय होने लगी हैं, उनसे लड़ने की ताकत एवं रणनीति भी संघ चाहता है। संघ सामंजस्यपूर्ण और संगठित भारत के आदर्श को आकार देने के लिये प्रतिबद्ध है। श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति जैसे आंदोलनों ने भारत के सभी वर्गों और क्षेत्रों को सांस्कृतिक रूप से संगठित किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर सीमा सुरक्षा, शासन में सहभागिता से लेकर ग्रामीण विकास तक, राष्ट्रीय जीवन का कोई भी पहलू संघ के स्वयंसेवकों से अछूता नहीं है। सौ वर्षों की संघ यात्रा हिंदू एकता, विश्व शांति व समृद्धि के साथ सामंजस्यपूर्ण और एकजुट भारत के भविष्य के संकल्प के साथ-साथ काशी-मथुरा के मुद्दे से भी जुड़ी है। हिंदुओं को बचाने और उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ देश सेवा में तत्पर करने के लिये उनकी आस्था एवं अस्तित्व पर लगे घावों को तो भरना ही होगा।

# नवरात्रि विशेष: भंवरों को देवी है जीण माता

- रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान के सीकर-जयपुर मार्ग पर गोरिया के पास जीणमाता गांव में देवी स्वरूपा जीण माता का प्राचीन मंदिर है। जीण माता का वास्तविक नाम जयन्ती माता है। माता दुर्गा की अवतार हैं। यह मंदिर शक्ति की देवी को समर्पित है। घने जंगल से घिरा हुआ है यह मंदिर तीन छोटी पहाड़ों के संगम पर स्थित है। जीण माता का यह मन्दिर बहुत प्राचीन शक्तिपीठ है। जीण माता का मंदिर दक्षिण मुखी है। लेकिन मंदिर का प्रवेश द्वार पूर्व में है। मंदिर की दीवारों पर तांत्रिकों व वाममार्गियों की मूर्तियां लगी है। इससे यह भी सिद्ध होता है कि उक्त सिद्धांत के मतावलंबियों का इस मंदिर पर कभी अधिकार रहा हो या उनकी यह साधना स्थली रही हो।

मंदिर के देवायतन का द्वार सभा मंडप में पश्चिम की ओर है। यहां जीण भगवती की अष्टभुजी आदमकद मूर्ति प्रतिष्ठापित है। सभा मंडप पहाड़ के नीचे है। मंदिर में ही एक और मंदिर है जिसे गुफा कहा जाता है। जहां जगदेव पंवार का पीतल का सिर और कंकाली माता की मूर्ति है। मंदिर के पश्चिम में महात्मा का तप स्थान है जो धुणा के नाम से प्रसिद्ध है। लोगों का मानना है कि यह मंदिर एक हजार साल पुराना है। लेकिन कई इतिहासकार आठवीं सदी में जीण माता मंदिर का निर्माण काल मानते हैं। मंदिर में अलग-अलग आठ शिलालेख हैं जो मंदिर की प्राचीनतम के सबल प्रमाण है। इन शिलालेखों में सबसे पुराना संवत 1029 का है। उस पर मंदिर के निर्माण का समय नहीं लिखा गया है। चैहान चन्द्रिका नामक पुस्तक में इस मंदिर को 9 वीं शताब्दी से पूर्व का बताया गया है।




एक जनश्रुति के अनुसार देवी जीण माता ने सबसे बड़ा चमत्कार मुगल बादशाह औरंगजेब को दिखाया था। औरंगजेब ने शेखावाटी के मंदिरों को तोड़ने के लिए एक विशाल सेना भेजी। यह सेना हर्ष पर्वत पर शिव व हर्षनाथ भैरव का मंदिर खंडित कर जीण मंदिर को खंडित करने आगे बढ़ी तो कहते है कि मन्दिर के पुजारियों के आर्त स्वर में मां से विनय करने पर मां जीण ने भंवरे (बड़ी मधुमखियां) छोड़ दीं जिनके आक्रमण से औरंगजेब की शाही सेना लहूलुहान हो भाग खड़ी हुई। कहते है स्वयं बादशाह की हालत बहुत गंभीर हो गई। तब बादशाह ने हाथ जोड़ कर मां जीण से क्षमायाचना कर मां के मंदिर में अखंड दीप के लिए दिल्ली से सवामण तेल भेजने का वचन दिया। कई वर्षों तक माता के मन्दिर में दीपक के लिए दिल्ली से तेल आता रहा फिर दिल्ली के बजाय जयपुर से आने लगा। बाद में जयपुर महाराजा ने इस तेल को मासिक के बजाय वर्ष में दो बार नवरात्रि के समय भिजवाना आरम्भ कर दिया। और महाराजा मान सिंह के समय तेल के स्थान पर नगद 20 रुपये 3 आने प्रतिमाह कर दिए। जो निरंतर प्राप्त होते रहे। औरंगजेब को चमत्कार दिखाने के बाद जीण माता भंवरों की देवी भी कही जाने लगी।

हमारे देश में दुर्गा मां को शक्ति की देवी के रूप में पूजा जाता है। दुर्गा मां के कई रूप और अवतार हैं। पूरे भारत में नवरात्रि के अवसर पर माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ती है। आस्था से भरे इस देश में माता का स्थान सबसे ऊपर है। जीण माता देवी शक्ति है जो सदियों से लेकर आज तक लगातार आराध्य देवी के रूप में पूजी जाती हैं। जीण माता मंदिर में हर वर्ष चैत्र सुदी एकम से नवमी (नवरात्रि में) व आसोज सुदी एकम से नवमी में दो विशाल मेले लगते हैं। जिनमें देश भर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते है। जीणमाता मेले के अवसर पर राजस्थान के बाह्य अंचल से भी अनेक लोग आते हैं। मन्दिर में बारह मास अखण्डदीप जलता रहता है। हर मंदिर के कपाट चंद्र ग्रहण के दौरान बंद रहते हैं। इसका कारण यह है कि चंद्र ग्रहण के दौरान नकारात्मक शक्तियां बढ़ जाती हैं और सकारात्मक शक्तियां कमजोर पड़ जाती हैं। इसलिए मान्यता है कि अगर मंदिर के कपाट खुले रखेंगे तो मंदिर में बुरी शक्तियों का वास होगा। लेकिन शक्तिपीठ जीण माता मंदिर के कपाट हमेशा खुले रहते हैं। इस मंदिर के कपाट कभी भी बंद नहीं होते हैं। राजस्थान का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां 24 घंटे भक्त मां जीण भवानी के दर्शन करते हैं।

लोक कथाओं के अनुसार जीण माता का जन्म (अवतार) राजस्थान के चूरू जिले के घांघू गांव के अधिपति एक चौहान वंश के राजा घंघ के घर में हुआ था। जीण माता के बड़े भाई का नाम हर्ष था। माता जीण को शक्ति का अवतार माना गया है और हर्ष को भगवान शिव का अवतार माना गया है। कहते हैं कि दोनों बहन भाइयों में बहुत स्नेह था। लेकिन किसी बात पर दोनों मनमुटाव हो गया। तब जीण माता यहां आकर तपस्या करने लगी। पीछे-पीछे हर्षनाथ भी अपनी लाडली बहन को मनाने के लिए आए। लेकिन जीण माता जिद कर साथ जाने से मना कर दिया। हर्षनाथ का मन बहुत उदास हो गया और वे भी वहां से कुछ दूर जाकर तपस्या करने लगे। दोनों भाई बहन के बीच हुई बातचीत का सुलभ वर्णन आज भी राजस्थान के लोक गीतों में मिलता है। भगवन हर्षनाथ का भव्य मन्दिर आज भी राजस्थान की अरावली पर्वतमाला में स्थित है।

जीण भवानी की सुबह चार बजे मंगला आरती होती है। आठ बजे श्रृंगार के बाद आरती होती है व सायं सात बजे आरती होती है। दोनों आरतियों के बाद भोग (चावल) का वितरण होता है। माता के मन्दिर में प्रत्येक दिन आरती समयानुसार होती है। चन्द्रग्रहण और सूर्य ग्रहण के समय भी आरती अपने समय पर होती है। हर महीने शुक्ल पक्ष की अष्टमी को विशेष आरती व प्रसाद का वितरण होता है। माता के मन्दिर के गर्भ गृह के द्वार (दरवाजे) 24 घंटे खुले रहते हैं। केवल श्रृंगार के समय पर्दा लगाया जाता है। हर वर्ष शरद पूर्णिमा को मन्दिर में विशेष उत्सव मनाया जाता है। जीणमाता मंदिर से काजल शिखर की 300 फीट ऊंचाई पर है। बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाओं, बच्चों का यहां पहुंच पाना मुश्किल रहता था। इन सबकी सुविधा के लिए अब रोप-वे शुरू हो गया है। शिखर तक पहुंचने में अब तक 2 घंटे लगते थे। लेकिन रोप-वे से ये दूरी 5 मिनट में तय हो जाती है।

# विश्वास का तरीका बदलना होगा तभी भगवान को जान पाएंगे

मेरे आसपास के सभी लोग भगवान को मानते हैं, इसलिए मैं भी भगवान को मानता हूं। सब भगवान में अटूट विश्वास रखते हैं, इसलिए मैं भी रखता हूं। सब मंदिर जाते हैं, इसलिए मैं भी जाता हूं। जो सब कह रहे होते हैं या फिर जो सब कर रहे होते हैं, उसमें आपकी खोज तो कुछ भी नहीं, इसमें तो कोई गहरी बात नहीं। जिसने भगवान को अनुभव किया, उसने भगवान में श्रद्धा और विश्वास रखा! यदि उसने भी भेड़चाल की तरह दूसरों के कहने में आकर बिना भगवान को अनुभव किए उनके प्रति श्रद्धा अनुभव की या विश्वास किया तो यह ज्ञान सहित विज्ञान नहीं। फिर यह केवल मान्यता है, और मान्यता दौड़ाती बहुत है, पहुंचाती कहीं भी नहीं।

धर्मकर्म

मानना और जानना, दोनों में बड़ा अंतर है। सब मानते हैं, इसलिए हम भी मानेंगे की प्रवृत्ति सही नहीं है। मानने से ऊपर उठकर हमें जानने में आना होगा। यदि हमने ईश्वर को दूसरों की देखा-देखी ही माना तो उनमें हमारा विश्वास आने-जाने वाला ही होगा। वह विश्वास हमेशा एक जैसा रहने वाला नहीं होगा। उस विश्वास में स्थायित्व की भावना का अभाव होगा। जब जीवन में सब ठीक चल रहा होता है तो मन में जो भी बनावटी विश्वास होते हैं, वे ठीक हैं और वे चल भी जाते हैं। लेकिन जब जीवन में परिस्थितियां उलटी-पुलटी हों, विपरीत हों, जो सोच कर चल रहे हों, वह हो ही न रहा हो तो उस समय यह जो ऊपर वाला विश्वास है, वह डगमगा जाएगा। इस ऊपर वाले विश्वास में कोई गहराई नहीं होती। इसकी सीधी वजह यह है कि यह विश्वास अनुभव के आधार पर नहीं होता, बल्कि सुनी-सुनाई बातों के कारण हो रहा होता है। वैसे भी जो देखा न जा सके, उसमें विश्वास करना कठिन ही होता है। लेकिन उस परमात्मा को अनुभव करने की शक्ति भी हमारे ही अंदर निहित है। हम सबमें परमात्मा का निवास है तो सबसे पहले अपने विश्वास को नए तरीके से स्थापित करना होगा। उसको अपने अनुभव के आधार पर नया जन्म देना होगा और यह तब होगा जब यह भाव पक्का होगा कि कोई शक्ति तो है जो सारे विश्व को बड़ी बारीकी से और व्यवस्थित तरीके से चला रही है। कोई तो ताकत है जो हमारे शरीर को निरंतर गति दे रही है। कोई तो है, जिससे मेरे सहित पूरा ब्रह्मांड चल रहा है।

## आज का इतिहास

1843 - ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया ने हांगकांग को ब्रिटिश कॉलोनी में शामिल करने का ऐलान किया।
1930 - महात्मा गांधी अपने अनुयायियों के साथ नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी पहुंचे थे।
1949 - भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की स्थापना।
1955 - विंस्टन चर्चिल ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया।
1979 - देश का पहला नौसेना संग्रहालय मुंबई में खुला था।
1986 - मुनि की रेती में हिलने वाले सबसे बड़े पुल शिवानंदझूला का निर्माण कार्य पूरा।
1999 - इराक में वियाग्रा पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा।
2001 - जासूसी विमान प्रकरण में संयुक्त राज्य अमेरिका ने घुटने टेके, चीन के समक्ष खेद प्रकट, संयुक्त राष्ट्र संघ की टीम मिलोसेविच को गिरफ्तार करने के लिए बेलग्रेड पहुंची।
2002 - भारत, म्यांमार व थाइलैंड के बीच मोरे-कलावा-मांडले सड़क परियोजना पूरी करने हेतु सहमति।
2003 - अमेरिकी संसद में पाकिस्तान की आर्थिक मदद में कटौती का प्रस्ताव पेश।
2006 - सिंगापुर में 45 भारतीयों को आव्रजन अपराधों में गिरफ्तार किया गया।
2008 - पार्वती ओमनाकुट्टन फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड बनी।
2010 - नक्सलियों द्वारा किए गए अब तक के सबसे भीषण हमले में दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ के 73 जवान बलिदान।
2020 - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर देश के करोड़ों लोगों ने रात 9 बजे अपने घरों की तमाम बत्तियां बुझाकर मोमबती, दिए और मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट जलाई और कोरोना महामारी के खिलाफ एकजुटता का प्रदर्शन किया।

# वक्फ को लेकर उभरता विवाद

- कुलदीप चंद अग्निहोत्री

वक्फ अरबी भाषा का शब्द है। इसका अर्थ कोई भी चल या अचल सम्पत्ति अल्लाह को समर्पित कर देना। जाहिर है जब सम्पत्ति अल्लाह को समर्पित कर दी गई है तो उसकी सार संभाल तो इसी संसार के कुछ लोग अल्लाह की तरफ से करेंगे। अल्लाह की तरफ से सार संभाल करने का अधिकार इन 'कुछ' लोगों को कौन देता है, यह प्रश्न सदा विवाद का विषय बना रहेगा। अल्लाह को दान की गई इन सम्पत्तियों से जो आमदन होती है उसका कुछ हिस्सा, इन सम्पत्तियों की सार संभाल करने वाला व्यक्ति अपने मेहनताने के एवज में अपने पास भी रख सकता है। इसलिए विवाद बढ़ता रहता है। जिसके नियंत्रण में अल्लाह को दी गई यह सम्पत्ति आ जाती है, वह इसे छोडना नहीं चाहता। 1947 में अंग्रेजों के चले जाने के उपरांत कांग्रेस ने सरकार बनाई तो उसने 1954 में वक्फ बोर्ड अधिनियम बनाया।

सरकार को पता चला कि इस देश की जमीन का बड़ा हिस्सा वक्फ में अल्लाह को दिया जा चुका है। कहा जाता है कि रेलवे और रक्षा मंत्रालय के बाद देश की सबसे ज्यादा जमीन वक्फ के नाम पर अल्लाह को दी जा चुकी है। वक्फ के पास इस समय देश की आठ लाख एकड़ से अधिक जमीन है। बोर्ड की अनुमानित संपत्ति 1.2 लाख करोड़ रुपए है। 2009 में वक्फ बोर्ड के पास कुल 4 लाख एकड़ जमीन थी। इस मसले की जड़ तक जाना जरूरी है। दरअसल इस देश में अरबों, तुर्कों व मुगलों के हमले 712 में शुरू हो गए थे। 1200 तक आते-आते उन्होंने देश के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और उसमें से कुछ हिस्सा अलग-अलग समय में अल्लाह को भी दे दिया।

व्यावहारिक रूप से अल्लाह को देने का मतलब मुल्ला मौलवियों को देना ही था। ये मुल्ला मौलवी इस देश के रहने वाले तो थे नहीं, बल्कि ये भी इन्हीं हमलावरों के साथ मध्य एशिया से आए थे। एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) के राज में देसी मुसलमानों (डीएम) को लगता था कि शायद मुल्ला मौलवी वक्फ की इस सम्पत्ति से, उनकी हालत सुधारने के लिए भी ध्यान देंगे, लेकिन न तो ऐसा हुआ और न ही आगे होने की सम्भावना थी, क्योंकि 1954 में वक्फ बोर्ड बन जाने से सारे अधिकार कानूनी रूप से एक वर्ग विशेष के हाथों में दे दिए गए। देसी मुसलमान, जिन्हें एटीएम मूल का मुसलमान पसमांदा, अरजाल, अलजाफ, न जाने और कितने निंदनीय शब्दों से सम्बोधित करता है, अपने ही देश में अपनी ही सम्पत्ति अशरफ के हाथों लुटती देखता रहा। समय समय पर इस वक्फ अधिनियम में संशोधन होते रहे और एटीएम का शिकंजा और कसता गया। भारत के मुसलमानों में दो वर्ग हैं, पहला वर्ग उन मुसलमानों का है जिनके वंशज इस मुल्क में हमलावर के रूप में आए थे। यह वर्ग एटीएम कहलाता है। दूसरा वर्ग उन मुसलमानों का है जो यहीं के लोग हैं, लेकिन किन्हीं कारणों से हमलावरों के मजहब में शामिल हो गए थे। उन्हें देसी मुसलमान या डीएम कहा जाता है। इस मुल्क में यदि कोई सम्पत्ति अल्लाह के नाम पर दान भी की जाती है तो वह यकीनन देसी मुसलमानों की ही हो सकती है। हमलावर अरब, तुर्क या मुगल अपने देशों की जमीन या सम्पत्ति तो उठाकर लाए नहीं थे जिसे उन्होंने हिन्दुस्तान में आकर वक्फ के नाम कर दिया। वक्फ का असूल है कि जो सम्पत्ति वक्फ को जाती है वह उसकी अपनी सम्पत्ति होनी चाहिए। दूसरे की कब्जाई गई सम्पत्ति को वक्फ के नाम नहीं किया जा सकता।

अब केवल उदाहरण के लिए यदि अपने वक्त में औरंगजेब ने कोई जमीन वक्फ की हो तो उसको वक्फ माना ही नहीं जा सकता क्योंकि वह उसके पूर्वजों द्वारा बलपूर्वक कब्जाई सम्पत्ति है। एक और उदाहरण लिया जा सकता है। दो फरीकों में किसी सम्पत्ति को लेकर झगड़ा चल रहा है। पहले फरीक के कब्जे में वह सम्पत्ति है लेकिन उसको लग रहा है कि वह केस हार जाएगा। इसलिए वह केस का फैसला आने से पहले ही वह सम्पत्ति मौलवी से मिल कर वक्फ के नाम कर देता है। वक्फ बोर्ड की दलदल में फंस गई यह सम्पत्ति अब वापस असली मालिक को नहीं मिल सकती। यह नियम बना पंखा है कि एक बार वक्फ के नाम हो चुकी सम्पत्ति वापस नहीं हो सकती। असली मालिक वक्फ बोर्ड के इस तानाशाही रवैए के खिलाफ फरियाद भी उसी वक्फ बोर्ड के पास कर सकता है। हाई कोर्ट में अपील तक नहीं की जा सकती। अभी वक्फ बोर्ड अधिनियम में असमानी धारा है जिसे अधिनियम में धारा 40 कहा जाता है। इसके अनुसार यदि वक्फ बोर्ड के पास यह विश्वास करने के कारण हैं कि कोई जायदाद वक्फ की है तो वह उसे वक्फ सम्पत्ति घोषित कर सकता है। कोई सम्पत्ति किसकी है, इसके लिए प्रमाण की जरूरत होती है न कि विश्वास की। लेकिन वक्फ बोर्ड सम्पत्ति के मामले में प्रमाण की बजाय विश्वास को ही तरजीह देता है। यानी वक्फ स्वयं भी बहुत सी सम्पत्ति को, स्वयं ही विश्वास करके, वक्फ की सम्पत्ति घोषित कर देता है। इस प्रकार भारत की बहुत सी सम्पत्ति को उसने खुद ही वक्फ सम्पत्ति घोषित कर रखा है।

भारत सरकार के पुरातत्व विभाग की तो अनेक सम्पत्तियों को वक्फ अपना मानता ही है और सरकार ने भी अभी तक इस मामले में मौन स्वीकृति दे रखी थी। नए अधिनियम में इसको रोकने का प्रयास किया गया है। सबसे ज्यादा दुख की बात तो यह है कि वक्फ की इन सम्पत्तियों से अर्जित आय का लाभ देसी मुसलमानों को मिलना चाहिए था, उनको अपने रोजगार चलाने में मदद की जानी चाहिए थी, उनके लिए अच्छे आधुनिक स्कूल खोले जाने चाहिए थे। लेकिन उनके विकास के नाम पर उनके लिए मध्यकालीन मदरसे खोल दिए गए और बाकी आमदन एटीएम ने अपने लिए रख ली। मुगलों का राज खत्म हो जाने के बाद भी बहुत ही शातिराना तरीके से उनके वंशजों ने इस मुल्क की बहुत बड़ी सम्पत्ति पर कब्जा जमा रखा है। उस कब्जे को छुड़ा कर, यदि उसे मुसलमानों को ही देना है तो उसे देश के देसी मुसलमानों के हवाले किए जाने की सख्त जरूरत है।

वक्फ बोर्ड में किए जा रहे परिवर्तन उस दिशा में उठाए गए कदम कहे जा सकते हैं। भारत का देसी मुसलमान तो वक्फ बोर्ड अधिनियम में किए जा रहे परिवर्तनों से प्रसन्न है, लेकिन एटीएम भयंकर विरोध कर रहा है। कुछ दिन पहले ही वह औरंगजेब की कब्र बचाने की लड़ाई लड़ रहा था, लेकिन अब तो मुगल साम्राज्य समाप्त होने से पहले भारत में जो जायदाद वक्फ के बहाने उनको उनके भरण पोषण के लिए दे गया था, वह भी उनके हाथों से छिन्नती नजर आ रही थी। यह सम्पत्ति अब देसी मुसलमानों के हित के लिए प्रयोग होने वाली थी। लेकिन पूछा जा सकता है कि फिर वक्फ बोर्ड अधिनियम में किए जा रहे इन स्वदेशी परिवर्तनों का विरोध आखिर भारत के ही कुछ राजनीतिक दल क्यों कर रहे हैं? इसका उत्तर जानने के लिए इसी से मिलते-जुलते एक दूसरे प्रश्न का उत्तर तलाशना होगा। मुगलों और अंग्रेजों के राजकाल में भारत के ही कुछ लोग मुगलों व अंग्रेजों का साथ क्यों दे रहे थे? बहरहाल, यह बिल लोकसभा में पास हो गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

### सीएम ने 7 हजार करोड़ रुपए की लागत से बन रही अनंत नगर आवासीय योजना का किया शुभारंभ

# अच्छी आवासीय सुविधा देकर ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देना सरकार की पहली प्राथमिकता: योगी

लखनऊ। वासंतीय नवरात्रि के अवसर पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के वासियों को बड़ा तोहफा दिया। सीएम योगी ने लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित किए जा रहे अनंत नगर आवासीय सुविधा के अंतर्गत पंजीकरण प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए कहा कि अच्छी आवासीय सुविधा देकर ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देना डबल इंजन सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि 20 वर्ष के बाद उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक अच्छी आवासीय योजना के शुभारंभ के अवसर पर मैं लखनऊवासियों को शुभकामनाएं देता हूं। उल्लेखनीय है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण ने लगभग 800 एकड़ क्षेत्र में 7 हजार करोड़ रुपए की लागत से वसंत नगर आवासीय स्कीम लेकर आयी है।

वहीं, इस योजना के साथ ही एक इंटीग्रेटेड टाउन प्लानिंग के तहत एजुकेशन हब स्थापित करने के लिए 100 एकड़ से अधिक क्षेत्र में आरक्षित की गई है। सीएम योगी ने कहा कि योजना के अंतर्गत हाईराइज अपार्टमेंट से साथ प्लॉट भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी योजना के अंतर्गत की गई है जो कि अत्यंत सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि लोगों के जीवन में परिवर्तन हो, बेहतर आवासीय सुविधा प्राप्त हो, उनका जीवन और भी आसान हो इस दिशा में वसंत नगर आवासीय योजना की स्कीम फलदायी है तथा यह वन ट्रिलियन डॉलर के प्रदेश के सपने को सच करने की दिशा में एक सार्थक कदम है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 वर्ष में अच्छी आवासीय सुविधा देने तथा ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने क्षेत्र में बड़े कदम बढ़ाए हैं। अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग तथा निर्धारित समयसीमा से पूर्व सस्ती आवासीय सुविधाओं को उपलब्ध कराना आज की आवश्यकता है। उस आवश्यकता के अनुरूप लखनऊ विकास प्राधिकरण ने यह कार्य आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि वैसे तो एक हाई राइज बिल्डिंग के बनने में 5 से 10 वर्षों का समय लगता था। वहीं, आज कुछ ही महीनों में उसका स्ट्रक्चर खड़ा हो सकता है जिससे लोगों को अच्छी आवासीय सुविधा उपलब्ध करायी जा सकती है। सीएम योगी ने उदाहरण देते हुए कहा कि दो वर्ष पहले लखनऊ में लाइट हाउस प्रोजेक्ट के तहत एक अच्छा प्रयास किया गया। कोविड कालखंड के दौरान भी अत्याधुनिक तकनीक आधारित इस योजना का कार्य बढ़ता रहा।

सीएम योगी ने लखनऊ विकास प्राधिकरण को निर्देश देते हुए कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि अनंत नगर आवासीय योजना भी इसी प्रकार की तकनीक पर निर्मित किया जाए। लोगों को अच्छी लेकिन सस्ती आवासीय सुविधा प्राप्त हो तथा एक हरा-भरा आध्यात्मिक वातावरण उन्हें प्राप्त हो। एक ही स्थल पर सभी प्रकार की सुविधाएं उन्हें प्राप्त होनी चाहिए। यह न केवल शासन की प्राधमिकता है बल्कि इसी आधार पर कार्यक्रम आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि अगर यहां पर हम समाज के हाई इनकम ग्रुप को आवासीय सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। वहीं, अत्यंत कम आय वर्ग के और प्रधानमंत्री आवास योजना से कवर हो सकने वाले लोगों को भी लाभान्वित करने का विशेष प्रावधान किए गए हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्री-प्राइमरी से लेकर हायर एजुकेशन तक, टेक्निकल एजुकेशन से लेकर मेडिकल एजुकेशन के लिए एक बेहतरीन सुविधा वहां प्राप्त हो यह हमारी प्राथमिकता है। एक ही इंटीग्रेटेड परिसर में सुविधाएं लोगों को प्राप्त हो इसका प्रावधान अनंत नगर योजना के अंतर्गत किया गया है।

उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि जितनी देर में यह स्कीम आई है उतनी ही जल्दी अनंत नगर योजना वासंतीय नवरात्रि के अवसर पर आज लॉन्च की जा रही है, यह उतनी ही शीघ्र लोगों के लिए उपलब्ध होगी।

#### योजना से जुड़े मुख्य पहलुओं पर एक नजर

- इस योजना में लगभग 800 एकड़ क्षेत्र में आवासीय योजना प्रस्तावित की गई है।
- डेढ़ लाख लोगों को इसमें आवासीय सुविधा मिलेगी।
- इसमें 10 हजार फ्लैट्स का निर्माण 60 प्लॉट्स में करने का प्रावधान किया गया है।
- ईडब्ल्यूएस व एलआईजी श्रेणी के 5 हजार भवनों में 25 हजार से अधिक लोगों के लिए आवासीय सुविधा का प्रावधान किया गया है।
- प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भी 3 हजार आवास निर्माण की सुविधा यहां उपलब्ध होगी।
- 100 एकड़ में एडुटेक सिटी का भी विकास करना योजना में प्रस्तावित किया गया है।
- 4 हजार आवासीय भूखंडों में 20 हजार लोगों को आवासीय सुविधा तथा 130 एकड़ भूमि में पार्क का विकास भी इस आवासीय स्कीम में प्रस्तावित है।

सीएम योगी ने लखनऊ विकास प्राधिकरण को निर्देश देते हुए कहा कि अभी से हमें तैयारी करनी होगी। यह योजना आम लोगों तक शीघ्र उपलब्ध हो। हम ईज ऑफ लिविंग को तो सुनिश्चित करेंगे ही बल्कि किसी भी जरूरतमंद को इस आवासीय योजना में किसी प्रकार के मिडीएटर की आवश्यकता न पड़े यह लखनऊ विकास प्राधिकरण सुनिश्चित करेगा। इस प्रकार की आवासीय योजना और नई सिटी का बनना यह सरकार की वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी के लक्ष्य की ओर एक सार्थक कदम बनेगा। लोगों के जीवन में परिवर्तन हो, बेहतर आवासीय सुविधाआ प्राप्त हो, उनका जीवन और भी आसान हो इसके लिए भी इस प्रकार की स्कीम फलदायी हैं।

वासंतीय नवरात्रि के अवसर पर लखनऊ विकास प्राधिकरण की ओर से शुरू की गई इस योजना के लिए बधाई देते हुए सीएम योगी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि आज से रजिस्ट्रेशन की कार्रवाई के साथ एक पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से हर जरूरतमंद को आवासीय सुविधा एक निर्धारित समयसीमा के अंदर उपलब्लध कराने में लखनऊ विकास प्राधिकरण सफल होगा।

कार्यक्रम में सरोजनी नगर के विधायक राजेश्वर सिंह, प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) एसपी गोयल, प्रमुख सचिव (आवास) पी गुरू प्रसाद, आवास आयुक्त बलकार सिंह, आयुक्त (लखनऊ मंडल) डॉ. रोशन जैकब, पुलिस आयुक्त (लखनऊ) अमरेंद्र कुमार सेंगर तथा लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी तथा लखनऊ विकास प्राधिकरण के वीसी तथा इन्वेस्ट यूपी के सीईओ प्रथमेश कुमार समेत विभिन्न अधिकारी व गणमान्य उपस्थित रहे।

## वक्फ विधेयक पारित होने के बाद जुमे की नमाज को लेकर अलर्ट रहे अफसर

**वाराणसी।** लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ विधेयक के पारित होने के बाद शुक्रवार को वाराणसी में जुमे की नमाज को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड में रहा। ज्ञानवापी,नदेसर स्थित जामा मस्जिद सहित शहर के अन्य मस्जिदों में कड़ी सुरक्षा के बीच जुमे की नमाज पढ़ी गई। ज्ञानवापी मस्जिद में जुमे की नमाज को लेकर काशी विश्वनाथ धाम के गेट नंबर चार पर अफसर खुद फोर्स के साथ डटे रहे।

जिले के शहरी और ग्रामीण अंचल में नमाज के पूर्व विरोध-प्रदर्शन की संभावना को देखते हुए अफसरों ने अतिरिक्त सतर्कता बरती। संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पुलिस लगातार गश्त करती रही।

नमाज के शांतिपूर्वक सम्पन्न होने के बाद अफसर और फोर्स देर तक मौके पर मौजूद रहे। एडीसीपी काशी जोन सरवन टी ने बताया कि नगर के संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की गश्त के साथ एहतियात बरती गई।किसी भी तरह की भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो और लोगों को सारे हालातों की जानकारी उपलब्ध रहे, इसके लिए सोशल मीडिया की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। भय मुक्त वातावरण बनाना पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है।

## सालगिरह के जश्न में नाचते समय व्यवसायी बेहोश होकर गिरा, मौत

**बरेली।** बरेली के 45 वर्षीय जूता व्यापारी वसीम की शादी की सालगिरह में नाचते समय दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी। वसीम को यहां पत्नी फराह के साथ अपनी शादी की 25वीं सालगिरह के जश्न के दौरान नाचते समय दिल का दौरा पड़ा। यह घटना बुधवार रात को बरेली के शाहाबाद इलाके में एक बैंक्वेट हॉल में हुई, जहां परिवार और दोस्त इस अवसर पर एकत्र हुए थे। कार्यक्रम के वीडियो फुटेज में वसीम को करीब दो मिनट तक नाचते हुए देखा जा सकता है, जबकि रिश्तेदार तालियां बजा रहे थे।

इसी दौरान वह अचानक एक तरफ हट गये, संतुलन खो बैठे और गिर पड़े। परिवार के सदस्य वसीम को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने वसीम को दिल का दौरा पड़ने की पुष्टि की। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने कहा कि परिवार ने अधिकारियों को मौत की सूचना नहीं दी है। उन्होंने कहा कि अगर परिवार ने इसकी सूचना दी होती, तो मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम किया जा सकता था।

वसीम को बृहस्पतिवार को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। शोकाकुल रिश्तेदारों ने बताया कि कैसे उन्होंने सालगिरह के जश्न की योजना पहले से ही बना रखी थी, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि यह खुशी का मौका दुखद हो जाएगा।

## दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में दुर्लभ प्रजाति का सांप दिखा

**लखीमपुर।** दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में एक दुर्लभ प्रजाति का सांप (अहेतुल्ला लॉन्गिरोस्ट्रिस) खोजा गया है जिसके आगे का भाग काफी लंबा होता है। वन अधिकारियों के अनुसार 28 मार्च को पलिया खीरी मंडल में गैंडे छोड़े जाने के दौरान जब अधिकारी सुरक्षा के लिए दीमक के टीले को साफ कर रहे थे, तभी एक हरे रंग का सांप निकला जिसकी पहचान क्षेत्रीय जीवविज्ञानी विपिन कपूर सैनी और शोधकर्ताओं की एक टीम ने 'अहेतुल्ला लॉन्गिरोस्ट्रिस' नाम की प्रजाति के रूप में की।

वन अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले इस प्रजाति के सांप को पिछले साल बिहार और उड़ीसा में देखा गया था। सांप की यह प्रजाति आमतौर पर दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में पाई जाती है। सैनी ने कहा कि इस सांप की फिर से खोज आने वाले वर्षों में इस पर और अधिक शोध का मार्ग प्रशस्त करेगी। सांप को सावधानीपूर्वक संभाला गया और पास के दीमक के टीले में छोड़ दिया गया, जबकि अधिकारियों ने मूल टीले से छेड़छाड़ न करने का फैसला किया। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एच. राजा मोहन ने एक बयान में इस खोज को उद्यान की पारिस्थितिकी समृद्धि का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि दुधवा में अक्सर वन्य जीवों की दुलर्भ प्रजाति देखी जाती है। अहेतुल्ला लॉन्गिरोस्ट्रिस की खोज उद्यान की पारिस्थितिकी समृद्धि और निरंतर शोध तथा आवास संरक्षण के महत्व का प्रमाण है। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के वन संरक्षक एवं उप निदेशक डॉ. रंगाराजू टी. ने इसे भारतीय वन्यजीव संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, कि दक्षिण सोनारीपुर के ककराहा गैंडा पुनरुत्पादन क्षेत्र-एक में अहेतुल्ला लॉगिरोस्ट्रिस की खोज, दीमक के टीलों जैसे सबसे छोटे घटकों के भी पारिस्थितिक महत्व को रेखांकित करती है, जो दुर्लभ प्रजातियों के लिए महत्वपूर्ण आश्रय प्रदान करते हैं।

## चौकी इंचार्ज और दो सिपाही निलंबित

**बरेली।** फतेहगंज पश्चिमी कस्बे में पुलिस विभाग एक बार फिर वसूली के आरोपों में घिर गया है। गुरुवार रात भिटौरा निवासी बलवीर के घर पुलिस ने कथित रूप से तलाशी के नाम पर उत्पात मचाया और उसे जबरन उठा ले गए। आरोप है कि चौकी प्रभारी बलवीर सिंह, सिपाही मोहित चौधरी और हिमांशु ने बलवीर को निजी आवास में बंद कर उसके परिवार से दो लाख रुपये की मांग की। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने धमकाते हुए बलवीर को स्मैक तस्कर बताया, जबकि वह एक संपन्न किसान है। शिकायत पर एसएसपी के निर्देश पर सीओ हाईवे ने मौके पर जांच की। आरोपित फरार हो गए। बलवीर को मुक्त कराकर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपी गई। इस घटना के बाद एसएसपी ने तीनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज कराया और निलंबन की संस्तुति की। फिलहाल, तीनों फरार हैं और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

## संभल की अदालत ने राहुल गांधी को सात मई तक जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया

### संभल जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष की जमानत याचिका खारिज

संभल। संभल की एक अदालत ने शुक्रवार को शाही जामा मस्जिद की इंतजामिया कमेटी के सदर (अध्यक्ष) जफर अली की जमानत याचिका खारिज कर दी। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) हरिओम प्रकाश सैनी ने बताया कि अपर जिला सत्र न्यायाधीश (एडीजे)-द्वितीय निर्भय नारायण राय की अदालत ने अली की जमानत खारिज कर दी। सैनी ने कहा कि शाही जामा मस्जिद के अध्यक्ष जफर अली की नियमित जमानत की याचिका पर अदालत में आज सुनवाई हुई जिस पर अभियोजन द्वारा यह तथ्य प्रस्तुत किए गए कि अली पर गंभीर आरोप हैं। उन्होंने बताया कि सुनवाई के बाद न्यायालय ने अली की जमानत याचिका खारिज कर दी। इसके दो दिन पहले केस डायरी उपलब्ध न होने के कारण चार अप्रैल तक के लिए सुनवाई टाल दी गयी थी। अली को मुगलकालीन मस्जिद के न्यायालय द्वारा आदेशित सर्वेक्षण के विरोध में 24 नवंबर को हुई हिंसा के संबंध में पूछताछ के बाद 23 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। अली के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अली ने आरोपों से इनकार किया है और दावा किया है कि उन्हें फंसाया गया है। संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसा में चार लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे।

**संभल।** संभल की एक अदालत ने शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को उनके कथित बयान के खिलाफ दायर शिकायत के संबंध में सात मई तक अपना जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया। अपर जिला न्यायाधीश (एडीजे)-द्वितीय निर्भय नारायण राय की अदालत ने हिंदू शक्ति दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता द्वारा दायर याचिका पर यह नोटिस जारी किया है।

अदालत ने इससे पहले 20 मार्च को मामले का संज्ञान लेते हुए गांधी को चार अप्रैल को अपना जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया था। सिमरन गुप्ता ने कहा कि 15 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन के दौरान राहुल गांधी ने तथा आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) से नहीं, बल्कि 'इंडियन स्टेट' (भारतीय राज व्यवस्था) से भी है। उन्होंने दावा किया कि इस बयान से देश भर के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। गुप्ता ने कहा कि उन्होंने पहले संभल के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से शिकायत की थी, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने कहा कि इसके बाद 23 जनवरी को उन्होंने चंदौसी अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ याचिका दायर की। अधिवक्ता सचिन गोयल ने बताया कि सिमरन गुप्ता की ओर से अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ वाद दायर किया गया था जिसमें एडीजे (द्वितीय) निर्भय नारायण राय द्वारा वाद को स्वीकार करते हुए राहुल गांधी को चार अप्रैल को पेश होने या अपना जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया था। गोयल ने कहा कि आज अदालत ने इस मामले में सात मई की तारीख तय की है कि राहुल गांधी सात मई तक अपना जवाब दाखिल करें।

## धार्मिक ग्रंथ कुरान के पन्ने फाड़ने वाले आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया

**शाहजहांपुर।** जिले में धार्मिक ग्रंथ कुरान के पन्ने फाड़ने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को घटना की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि घटना बृहस्पतिवार रात नौ बजे जलालाबाद थाने से सिर्फ 50 मीटर की दूरी पर हुई। घटना के बाद हजारों लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। सूचना पर एसपी राजेश द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और भीड़ को शांत किया। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आरोपी युवक की पहचान हुई।

एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि थाना जलालाबाद में तहसील रोड पर बृहस्पतिवार रात एक धार्मिक ग्रंथ के कुछ पन्ने फटे मिले थे, जिससे हंगाम मच गया। इसके बाद वहां पर लोगों की भीड़ लगनी शुरू हो गई, पुलिस को जैसे ही सूचना मिली वह तुरंत मौके पर पहुंची और भीड़ को शांत कराया। एसपी द्विवेदी ने बताया कि मैं स्वयं पुलिस बल लेकर मौके पर पहुंचा और घटनास्थल पर लगी भीड़ को शांत करने तथा भीड़ के वहां से चले जाने के बाद सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें एक युवक पवित्र ग्रंथ के पन्नों को हवा में उड़ाता हुआ नजर आया। आरोपी की पहचान नजीम के रूप में हुई है, जो जलालाबाद कस्बे का ही रहने वाला है।

द्विवेदी ने बताया कि लोगों का कहना है कि आरोपी नजीम मानसिक रूप से अस्वस्थ है, हालांकि पुलिस ने उसे रात में ही हिरासत में ले लिया था। मौके पर शांति बनी हुई है और पुलिस संदिग्ध युवक से पूछताछ कर रही है।

## त्रिवेणी संगम से 1,000 बोतल गंगा जल जर्मनी भेजा गया

**प्रयागराज।** प्रयागराज के पवित्र त्रिवेणी संगम के जल की विदेशों में बढ़ती मांग के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को कहा कि गंगा जल की 1,000 बोतलों की पहली खेप जर्मनी भेजी गई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बयान में कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक यहां आयोजित महाकुंभ मेले में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। बयान में कहा गया कि त्रिवेणी के पावन जल की डुबकी से कोई छूट न जाए, इसके लिए प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने अग्नि शमन विभाग की तरफ से प्रदेश के सभी 75 जिलों में त्रिवेणी का जल पहुंचाया।

प्रयागराज में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के उपायुक्त राजीव कुमार सिंह ने बताया कि जनपद के जसरा की नारी शक्ति महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय समिति की तरफ से त्रिवेणी के गंगा जल की

1,000 बोतलें यहां से जर्मनी भेजी गई हैं। उन्होंने बताया कि श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि के माध्यम से यह जल विदेश भेजा गया है।

सिंह ने बताया कि महाकुंभ आयोजन के समय ही जनपद में बड़े स्तर पर त्रिवेणी के गंगा जल की पैकेजिंग की शुरुआत महिला स्वयं सहायता समूह की तरफ से की गई थी। जसरा की नारी शक्ति महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय समिति की प्रभारी नमिता सिंह ने बताया कि महाकुंभ के आयोजन के बाद अब तक 50,000 से अधिक बोतल में पैक गंगा जल स्वयं सहायता समूह की उनकी महिलाओं द्वारा भेजा चुका है। उन्होंने बताया कि हाल ही में नागपुर के शिव शंभू ग्रुप सोसायटी को 50,000 बोतल त्रिवेणी का जल भेजा गया है। नमिता ने बताया कि 500 मिलीलीटर की बोतल में यह गंगा जल भेजा गया है, जबकि जर्मनी के लिए 250 मिलीलीटर की बोतल में गंगा जल की खेप भेजी गई।

## फर्जी दरोगा गिरफ्तार तमंचा,आईडी बरामद

**बलिया।** जिले के नगरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने शुक्रवार को एक फर्जी दरोगा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से पुलिस उप-निरीक्षक का नकली पहचान पत्र व वर्दी में फोटो के साथ ही तमंचा और कारतूस बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि नगरा थाने की पुलिस टीम द्वारा गौरा मदनपुरा मार्ग पर फायर स्टेशन के पास जांच पड़ताल के दौरान एक युवक को रोका गया। सिंह ने बताया कि पूछताछ में 31 वर्षीय युवक ने अपना नाम अमित कुमार यादव निवासी बलिया बताया। उन्होंने बताया कि यादव की तलाशी लेने पर उसके पास से यूपी पुलिस के उप-निरीक्षक का एक फर्जी पहचान पत्र व वर्दी में फोटो, एक खिलौना बंदूक, एक तमंचा, एक कारतूस और एक कार बरामद की गई। पूछताछ के दौरान अमित ने पुलिस को बताया कि वह जरूरत पड़ने पर लोगों को डराने और अपने फायदे के लिए पुलिस का पहचान पत्र दिखाता था और वर्दी का इस्तेमाल करता था।

## संभल की शाही जामा मस्जिद में हिंदू अनुष्ठान करने पर तीन लोगों को हिरासत में लिया गया

**संभल।** दिल्ली से आये तीन लोगों को संभल की शाही जामा मस्जिद में कथित तौर पर पूजा और हिंदू अनुष्ठान करने के प्रयास के बाद पुलिस ने शुक्रवार को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि तीन व्यक्ति कार से आए थे और उन्हें विवादित स्थल के पास हिरासत में ले लिया गया। उन्हें पुलिस थाने ले जाया गया है और सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्हें भविष्य में संभल में प्रवेश न करने की चेतावनी भी दी जाएगी।

हिरासत में लिए गए लोगों में से एक सनातन सिंह ने दावा किया कि हम विष्णु हरिहर मंदिर में हवन और यज्ञ करने दिल्ली से आए थे, लेकिन पुलिस ने हमें गिरफ्तार कर लिया। अगर वहां नमाज अदा की जा सकती है, तो हम पूजा क्यों नहीं कर सकते? अन्य आरोपी वीर सिंह यादव ने कहा कि हम संभल की मस्जिद में अनुष्ठान करने आए थे, लेकिन पुलिस ने हमें रोक दिया। हिरासत में लिए गए अनिल सिंह ने कहा कि जब हमें हिरासत में लिया गया, तब हम हरिहर मंदिर में हवन के लिए गए थे। विवादित स्थल पर धार्मिक गतिविधियों को लेकर तनाव बढ़ने के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

- अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटा जाएगा।

अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटा जाएगा। पिछले साल 24 नवंबर को शहर के कोट गर्वी इलाके में शाही जामा मस्जिद में अदालत के आदेश पर किए गए सर्वेक्षण का स्थानीय लोगों द्वारा विरोध किए जाने के बाद भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी।

# शेयर बाजार में ब्लैक फ्राइडे, कमजोर ग्लोबल संकेतों से सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

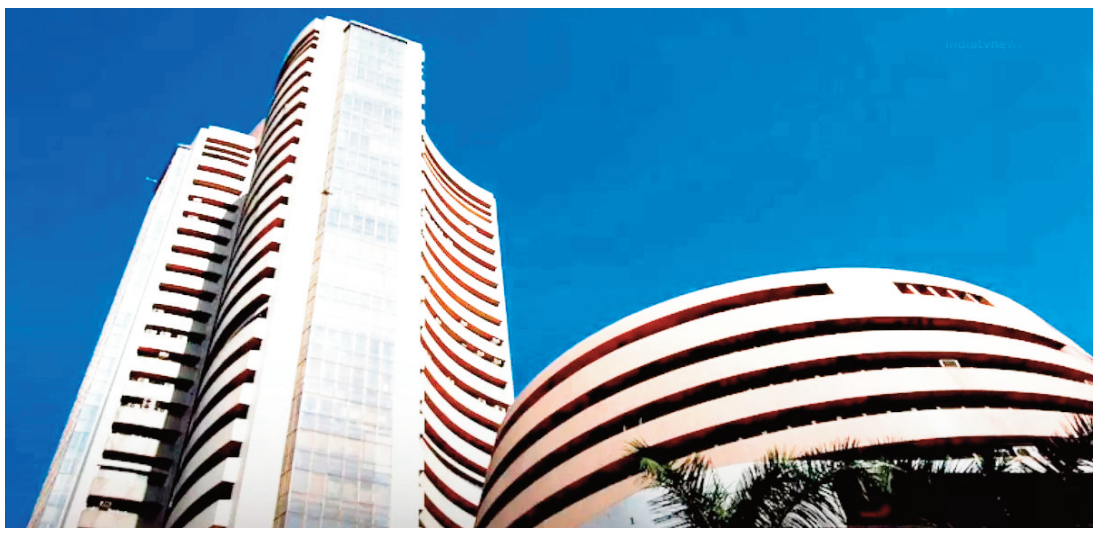

**नई दिल्ली।** कमजोर ग्लोबल संकेतों, विदेशी निवेशकों की चौतरफा बिकवाली और ग्लोबल ट्रेड वॉर शुरू होने की आशंका के चलते शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। इसके पहले अमेरिका द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ लगाए जाने का ऐलान करने के बाद गुरुवार को भी शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। कारोबार में बाजार में दबाव इतना अधिक बढ़ गया कि शुक्रवार का दिन शेयर बाजार के लिए ब्लैक फ्राईडे बन गया।

कारोबार में सेंसेक्स इंट्रा-डे में 1,050 अंक से अधिक और निफ्टी करीब 390 अंक से अधिक टूट गए। हालांकि आखिरी आधे घंटे में हुई खरीदारी के कारण ये दोनों सूचकांक मामूली सुधार के साथ बंद होने में सफल रहे। बाजार में मचे हड़कंप के कारण निवेशकों को आज करीब 10 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। पहले आधे घंटे के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार में सुधार के लक्षण भी दिखाई दिए, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ता चला गया, जिससे शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। हालांकि, बीच-बीच में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि शेयर बाजार संभल ही नहीं सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.22 प्रतिशत और निफ्टी 1.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। पूरे दिन के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, मेटल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली होती रही।

इसी तरह रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, आईटी, टेक, हेल्थ केयर, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कैपिटल गुड्स, ऑटोमोबाइल और बैंकिंग इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का चौतरफा दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 3.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

इसी तरह स्मॉल कैप इंडेक्स ने 3.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 10 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 403.55 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) रह गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 413.33 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को शुक्रवार के कारोबार से करीब 9.78 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,076 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,139 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,800 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 137 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,589 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 430 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,159 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 9 शेयर हरे निशान में और 41 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 135.27 अंक की कमजोरी के साथ 76,160.09 अंक के स्तर पर खुला।

कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 76,258.12 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में मंदड़ियों ने आक्रामक अंदाज में बिकवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के आधा घंटा पहले यह सूचकांक 1,054.81 अंक टूट कर 75,240.55 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक निचले स्तर से करीब 120 अंक की रिकवरी करके 930.67 अंक की कमजोरी के साथ 75,364.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी 59.70 अंक लुढ़क कर 23,190.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 23,214.70 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक लगातार गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण शाम 3 बजे के करीब यह सूचकांक 392.65 अंक लुढ़क कर 22,857.45 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी आधे घंटे में हुई खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से 45 अंक से अधिक की रिकवरी करके 345.65 अंक की गिरावट के साथ 22,904.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 1.57 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.45 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 1.25 प्रतिशत, नेस्ले 0.73 प्रतिशत और अपोलो हॉस्पिटल 0.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी और टाटा स्टील 8.61 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 8.07 प्रतिशत, ओएनजीसी 7.11 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 6.13 प्रतिशत और सिप्ला 5.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

## गवर्नर मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले 10 रुपये, 500 रुपये के नोट जारी करेगा आरबीआई

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि वह जल्द ही महात्मा गांधी (नई) शृंखला के तहत 10 और 500 रुपये के नोट जारी करेगा, जिन पर नए गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि इन नोटों का डिजाइन सभी तरह से महात्मा गांधी (नई) शृंखला के 10 और 500 रुपये के मौजूदा बैंक नोटों के समान है।

नए नोट जारी होने के बावजूद रिजर्व बैंक द्वारा पहले जारी किए गए 10 रुपये और 500 रुपये मूल्य वर्ग के सभी बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। आरबीआई ने पिछले महीने गवर्नर मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले 100 और 200 रुपये के बैंक नोट जारी करने की घोषणा की थी। मल्होत्रा ने दिसंबर, 2024 में आरबीआई गवर्नर का पद संभाला था। उन्होंने छह साल तक गवर्नर रहे शक्तिकान्त दास की जगह ली थी।

## सरकार ने की पीएफआरडीए में दो पूर्णकालिक सदस्यों की नियुक्ति

**नई दिल्ली।** सरकार ने भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के कार्यकारी निदेशक राजदीप सिंह जगपाल और कर्मचारी भविष्य नीति संगठन के वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी संजय पाण्डेय को पेंशन निधि नियामक पीएफआरडीए का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया है। पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण में जगपाल को विधि प्रभाग और पाण्डेय को वित्त प्रभाग का सदस्य नियुक्ति किया गया है। वित्त मंत्रालय मे तीन अप्रैल को जारी दो राजपत्र अधिसूचना में यह जानकारी दी। नियुक्तियां पदभार ग्रहण करने की तारीख से लेकर सदस्यों के 62 वर्ष के होने या अगली सूचना तक प्रभावी रहेगी। पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) का नेतृत्व चेयरपर्सन करते है। उनकी मदद के लिए तीन सदस्य होते हैं। पीएफआरडीए में राजदीप सिंह जगपाल और संजय पाण्डेय के अलावा एक और सदस्य ममता शंकर हैं। वह अर्थशास्त्र प्रभाग संभालती हैं। सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत में डिप्टी सीएजी एस. रमन को पीएफआरडीए का चेयरपर्सन नियुक्त किया था। वह निवर्तमान चेयरपर्सन दीपक मोहंती की जगह लेंगे जिनका कार्यकाल मई 2025 में समाप्त हो रहा है।

## भारत को पश्चिम का प्रौद्योगिकी उपनिवेश नहीं बनना चाहिएः अमिताभ कांत

**नई दिल्ली।** नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने शुक्रवार को कहा कि भारत को अपनी संप्रभुता बनाए रखनी चाहिए और पश्चिम का प्रौद्योगिकी उपनिवेश नहीं बनना चाहिए। उन्होंने तीव्र और किफायती तरीके से नवोन्मेष को गति देने की जरूरत बतायी। 'स्टार्टअप महाकुंभ' कार्यक्रम में कांत ने पश्चिमी मॉडल अपनाने के खिलाफ आगाह किया जिससे भारत की संस्कृति, पहचान और सभ्यता की ताकत को नुकसान हो सकता है।

जी-20 शेरपा ने कहा कि भारत के लिए प्रौद्योगिकी की उन्नति में अपनी संप्रभुता बनाए रखना और आगे बढ़कर नेतृत्व करना बहुत महत्वपूर्ण है। हमें न तो पश्चिम का और न ही दुनिया के किसी अन्य देश का प्रौद्योगिकी उपनिवेश बनना चाहिए। हमें बहुत ही कम ऊर्जा खपत वाले, लागत प्रभावी तरीके से नवोन्मेष को गति देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश को अपने स्वयं के 'डेटा सेट' के आधार पर मॉडल तैयार करना चाहिए और पश्चिम के अंतर्निहित पूर्वाग्रहों से मुक्त होना चाहिए।

कांत ने भारत की 22 भाषाओं और अनेक बोलियों के साथ बहुभाषी विविधता का जिक्र करते हुए ग्रामीण आबादी की प्रभावी ढंग से जरूरतों को पूरा करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई मॉडल) के बहुभाषी व बहुविध होने की आवश्यकता बतायी। उन्होंने कहा कि एआई प्रभुत्व की दौड़ बहुत खुली है, उन्होंने भारतीय स्टार्टअप से सीमित हार्डवेयर कंप्यूटिंग शक्ति का इस्तेमाल करके ऊर्जा-कुशल एआई समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। कांत ने 'डीपसीक' के ओपन-सोर्स इनोवेशन जैसे उदाहरणों का हवाला देते हुए कहा कि कैसे चुस्त दृष्टिकोण कम लागत पर महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल कर सकते हैं। उन्होंने इसके अलावा स्टार्टअप से 'डीप टेक', कृत्रिम मेधा, परिवहन, बैटरी भंडारण और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे उभरते क्षेत्रों में बदलाव लाने और उनका दोहन करने का आग्रह किया।

## कैथे पैसिफिक ने 100 नए विमानों का दिया ठेका, इस साल आपूर्ति होगी शुरूः अधिकारी

**हैदराबाद।** विमानन कंपनी कैथे पैसिफिक ने अगले पांच वर्षों के लिए अपने 100 अरब हांगकांग डॉलर (वर्तमान दर पर 12.86 अरब अमेरिकी डॉलर) के निवेश योजना के तहत नई पीढ़ी के 100 विमान के ऑर्डर दिए हैं। कैथे के दक्षिण एशिया, पश्चिम एशिया तथा अफ्रीका के क्षेत्रीय महाप्रबंधक राकेश रायकर ने कहा कि विमानन कंपनी को इस वर्ष दक्षिण भारत से कार्गो में 25 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। उन्हें एप्पल उत्पादों तथा औषधि के निर्यात में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है।

रायकर ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले वर्ष कंपनी ने कुल 1.30 लाख टन से अधिक माल की आवाजाही में से 43 प्रतिशत हिस्सा चेन्नई, बेंगलुरू और हैदराबाद का था। रायकर ने कहा, '' जून 2024 तक कुल बेड़े का आकार 178 (यात्री व मालवाहक दोनों) था जिसमें 30 जून 2024 तक करीब 73 नए यात्री विमान शामिल हुए। 100 अरब हांगकांग डॉलर (उत्पादों में) निवेश किए जा रहे हैं। इसमें से एक बड़ा हिस्सा हमारे बेड़े के अधिग्रहण के लिए जाएगा। हमने उस निवेश में पहले ही 100 नई पीढ़ी के विमानों का ठेका दे दिया है कि उन्होंने कहा कि 100 विमान की आपूर्ति इस वर्ष के दौरान की जा रही है, जिसमें संकीर्ण और चौड़े दोनों प्रकार के विमान शामिल हैं।

## चीन का पलटवार, अमेरिकी वस्तुओं पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाया

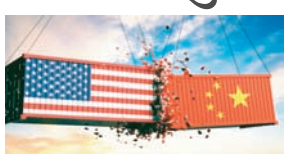

**बीजिंग।** चीन ने शुक्रवार को अमेरिका पर पलटवार करते हुए वहां से आयातित सभी उत्पादों पर 34 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगा दिया। यह अमेरिका में चीन से आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के जवाब में किया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, ये शुल्क 10 अप्रैल से लागू होंगे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका द्वारा व्यापार साझेदारों पर 'जवाबी शुल्क' लगाए जाने के बाद चीन ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शिकायत दर्ज कराई है। वाणिज्य मंत्रालय ने यहां कहा कि चीन ने 16 अमेरिकी कंपनियों को दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का भी फैसला किया है। ट्रंप ने बुधवार को चीनी वस्तुओं के आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की, जिसे अमेरिकी व्यापार नीति को नया रूप देने के उद्देश्य से व्यापक 'मुक्ति दिवस' पैकेज के हिस्से के रूप में पेश किया गया। इस फैसले के बाद अमेरिका में प्रवेश पर चीन की वस्तुओं पर कुल शुल्क 54 प्रतिशत हो गया। यह ट्रंप द्वारा उनके चुनाव अभियान के दौरान दी गई चीन पर 60 प्रतिशत शुल्क की धमकी के करीब ही है। उन्होंने कहा कि चीन ने अमेरिका पर 67 प्रतिशत शुल्क लगाया है।

उन्होंने कहा कि इस आंकड़े में मुद्रा की विनिमय दर में हेरफेर और व्यापार बाधाओं के प्रभाव भी शामिल हैं। चीनी आयात पर नए 34 प्रतिशत शुल्क में 10 प्रतिशत मूल शुल्क और देश के लिए 24 प्रतिशत विशिष्ट शुल्क शामिल हैं। 10 प्रतिशत शुल्क पांच अप्रैल से, जबकि उच्च जवाबी शुल्क नौ अप्रैल से लागू होंगे। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को अमेरिका को अपने 438 अरब डॉलर के निर्यात पर ट्रंप द्वारा लगाए गए शुल्क की कड़ी आलोचना की थी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने एक अलग बयान में कहा कि अमेरिकी शुल्क ने डब्ल्यूटीओ के नियमों का गंभीर उल्लंघन किया है और नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को कमजोर किया है।

उन्होंने कहा कि चीन इसका दृढ़ता से खंडन करता है और अपने वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह करेगा। आसियान और ईयू के बाद अमेरिका, चीन का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में चीन के साथ अमेरिका का कुल वस्तु व्यापार अनुमानित 582.4 अरब डॉलर था। पिछले साल चीन को अमेरिकी वस्तु निर्यात 143.5 अरब डॉलर था जबकि

## रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे बढ़कर 85.25 पर

**मुंबई।** शुल्क संबंधी व्यापार चिंताओं के बीच वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने के कारण रुपया अपनी शुरुआती बढ़त खोकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे बढ़कर 85.25 (अस्थायी) के भाव पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि कारोबार के दौरान रुपये ने कमजोर अमेरिकी डॉलर सूचकांक और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट के कारण बढ़त हासिल की।

हालांकि कमजोर घरेलू बाजारों और विदेशी कोष की निकासी ने रुपये की तेज बढ़त को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.07 के भाव पर खुला और कारोबार के दौरान 84.96 के ऊपरी और 85.34 के निचले स्तर तक गया। कारोबार के अंत में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.25 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से पांच पैसे अधिक है। बृहस्पतिवार को रुपया 22 पैसे की बढ़त के साथ 85.30 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत एवं चीन समेत लगभग 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने के बाद डॉलर अपनी प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले कमजोर हो गया। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.64 पर रहा। सेवा पीएमआई के निराशाजनक आंकड़ों और व्यापार शुल्कों को लेकर चिंता के कारण अमेरिका में आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

## भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर उत्पादन, बिक्री में मामूली गिरावट से मार्च में धीमी रहीः पीएमआई

**नई दिल्ली।** भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधि उत्पादन व बिक्री में मामूली गिरावट से मार्च में थोड़ी धीमी रही। शुक्रवार को एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा कारोबारी गतिविधि सूचकांक फरवरी के 59.0 से घटकर मार्च में 58.5 पर आ गया। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च 2025 में 58.5 रही जो पिछले महीने से थोड़ा कम है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग काफी हद तक उत्साहजनक रही, हालांकि यह पिछले महीने की तुलना में क्रमिक रूप से कम रही।

कीमत के मोर्चे पर, मार्च में तैयार माल शुल्क पर मुद्रास्फीति साढ़े तीन साल के निचले स्तर पर आ गई। सर्वेक्षण प्रतिभागियों में से केवल एक प्रतिशत ने फरवरी की तुलना में अधिक औसत शुल्क की सूचना दी, जबकि शेष कंपनियों ने कोई बदलाव नहीं होने का संकेत दिया। उपभोक्ता सेवा कंपनियां मार्च में सबसे अधिक उत्साहित रहीं, उसके बाद वित्त एवं बीमा, रियल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं तथा परिवहन, सूचना एवं संचार का स्थान रहा। सर्वेक्षण के अनुसार मार्च में सेवा अर्थव्यवस्था में भर्तियों की गतिविधि में कमी आई। इस बीच, भारतीय निजी क्षेत्र की गतिविधियां मार्च में मजबूती से बढ़ती रहीं, क्योंकि कंपनियों ने नए ऑर्डर में और वृद्धि का स्वागत किया। एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट आउटपुट सूचकांक फरवरी के 58.8 से मार्च में सात महीने के उच्च स्तर 59.5 पर पहुंच गया। समग्र पीएमआई सूचकांक तुलनीय विनिर्माण व सेवा पीएमआई सूचकांकों का भारित औसत है।

एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों के समूह को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

## ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की आंच से झुलसा विश्व, दुनिया के 500 अमीरों को लगा 17.73 लाख करोड़ रुपये का चूना

**नई दिल्ली।** अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी के कारण दुनिया भर के स्टॉक मार्केट में हड़कंप मचा हुआ है। अमेरिका समेत विश्व के ज्यादातर देशों के स्टॉक मार्केट बड़ी गिरावट का शिकार हो गए हैं, जिसकी वजह से दुनिया के सबसे अमीर 500 लोगों को भी बड़े नुकसान का सामना करना पड़ा है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार ग्लोबल लेवल पर बाजारों में आई जोरदार गिरावट के कारण विश्व के टॉप 500 अमीरों की दौलत में 20.80 हजार करोड़ डॉलर यानी करीब 17.73 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार बाजार में आई जोरदार गिरावट के कारण सबसे अधिक नुकसान मेटा (फेसबुक) के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग को हुआ है। उनकी दौलत 1 दिन में ही करीब 17.9 अरब डॉलर यानी करीब 9 प्रतिशत घट कर 189 अरब डॉलर के स्तर पर आ गई। इस साल जनवरी से लेकर फरवरी के मध्य तक मेटा के मार्केट कैप में करीब 35 हजार डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन फरवरी के दूसरे पखवाड़े से लेकर अभी तक यह कंपनी लगातार गिरावट का सामना कर रही है। इस अवधि में मेटा के शेयर करीब 28 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। दुनिया भर के बाजारों में आई गिरावट के कारण नुकसान झेलने वालों में दूसरा स्थान अमेजॉन के फाउंडर जैफ बेजॉस का है। अमेजॉन के शेयर गुरुवार के कारोबार में 9 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो गए। अप्रैल 2022 के बाद अमेजॉन के शेयर में एक दिन में ये सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण जैफ बेजॉस की दौलत एक दिन में ही 15.9 अरब डॉलर घटकर 201 अरब रह गई। अमेजॉन के शेयर इस साल फरवरी में अपने सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गए थे, लेकिन उसके बाद से लेकर अभी तक ये शेयर करीब 25 प्रतिशत टूट चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू की गई नई टैरिफ पॉलिसी से उनके करीबी सहयोगी और दुनिया के सबसे दौलतमंद व्यक्ति एलन मस्क भी नहीं बच सके हैं। गुरुवार की गिरावट में दौलत गंवाने वालों में एलन मस्क तीसरे स्थान पर रहे हैं।

बाजार में आई कमजोरी के कारण एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयर 5.5 प्रतिशत तक टूट गए, जिसकी वजह से मस्क की संपत्ति 11 अरब डॉलर कम होकर 322 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई। स्टॉक मार्केट्स में गुरुवार को चली आंधी के कारण दुनिया के पांचवें सबसे अमीर शख्स बर्नार्ड अर्नॉल्ट की दौलत 6.22 अरब डॉलर घट कर 163 अरब डॉलर के स्तर तक आ गई। अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी के तहत यूरोपीय यूनियन पर 20 प्रतिशत का फ्लैट टैरिफ लगाया गया है। इसकी वजह से लग्जरी गुड्स और अल्कोहल का निर्यात भी काफी प्रभावित हुआ है। नई टैरिफ व्यवस्था के कारण फ्रांस में लिस्टेड क्रिश्चियन डियोर, बुल्गारी और लोरो पियाना के शेयरों को करारा झटका लगा है। इसका असर इन कंपनियों की पैरेंट ग्रुप एलवीएमएच के ग्रुप सीईओ बर्नार्ड अर्नॉल्ट की दौलत में आई की कमी के रूप में सामने आया है।

दुनिया के टॉप दौलतमंदों में से करीब 500 लोगों की दौलत में गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन दुनिया के बीसवें और भारत के दूसरे सबसे बड़े अमीर गौतम अडाणी की दौलत गुरुवार को 1.39 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 76.2 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई। इसी तरह दुनिया के 18वें सबसे अमीर व्यक्ति मेक्सिको के कार्लोस स्लिम की दौलत में 2.95 अरब डॉलर का इजाफा हो गया। दौलत में हुई इस बढ़ोतरी के साथ ही कार्लोस स्लिम की संपत्ति बढ़कर 85.5 अरब डॉलर हो गई है।

## निर्यातकों ने की अमेरिकी शुल्क पर खरीदारों के साथ बातचीत शुरू

**नई दिल्ली।** अमेरिका के नौ अप्रैल से भारतीय वस्तुओं पर 26 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की घोषणा के बाद घरेलू निर्यातकों ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने इन उच्च दरों को वहन करने के तरीके तलाशने के लिए अपने अमेरिकी खरीदारों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय आपूर्तिकर्ताओं और अमेरिकी खरीददारों के बीच बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है, क्योंकि इन शुल्क से निर्यात तथा रोजगार सृजन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा कि हमें इस अभूतपूर्व स्थिति से निपटने के बारे में उनसे बात करनी होगी। लुधियाना स्थित हैंड टूल निर्यातक ने कहा कि घरेलू बाजार में इस्पात की उच्च लागत के कारण यह क्षेत्र उच्च शुल्क को वहन करने में सक्षम नहीं होगा। रल्हन ने कहा, कि इस पर सरकार सुरक्षा शुल्क लगाने पर विचार कर रही है, उन्हें इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। अमेरिकी शुल्क मांग को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा कि भारत में कुछ इस्पात की कीमतें पिछले पांच दिन में ही 50,000 अमेरिकी डॉलर प्रति टन से बढ़कर 55,000 अमेरिकी डॉलर प्रति टन हो गई हैं। चमड़ा क्षेत्र के एक निर्यातक ने कहा कि उन्होंने इस मामले पर अमेरिकी खरीदारों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। भारत के प्रमुख जूता-चप्पल निर्यातक एवं फरीदा समूह के चेयरमैन रफीक अहमद ने कहा कि शुल्क से अमेरिका में चमड़े के सामान की मांग प्रभावित होगी। खरीदार चाहते हैं कि हम उनके नुकसान को साझा करें। अमेरिकी खरीदारों ने हमसे कुछ समय के लिए उत्पादन रोकने को कहा है। वर्तमान में अमेरिका करीब 10 प्रतिशत शुल्क लगाता है। उन्होंने कहा कि लंबे समय में इस क्षेत्र के लिए अमेरिकी बाजार का आकार छोटा हो जाएगा क्योंकि मांग में कमी आएगी। ऊनी क्षेत्र से फियो के उपाध्यक्ष रविकांत कपूर ने कहा कि अब भारत को अमेरिकी उत्पादों के लिए शुल्क कम करने पर विचार करना चाहिए। कपूर ने कहा कि अमेरिका के लिए शुल्क में कटौती करना दीर्घावधि में हमारे लिए बेहतर होगा, क्योंकि अमेरिका, भारत का अच्छा व्यापारिक साझेदार है। घरेलू साज-सज्जा और कालीन के लिए अमेरिका हमारे लिए सबसे बड़ा बाजार है। वर्तमान शुल्क छह प्रतिशत है।

हम इस मामले पर अपने खरीदारों से बात कर रहे हैं, क्योंकि हमें इस मुद्दे पर अधिक स्पष्टता की जरूरत है। पानीपत स्थित कालीन निर्यातक ललित गोयल ने कहा कि कालीन क्षेत्र में भारत के प्रमुख प्रतिस्पर्धी तुर्किये और मिस्र हैं और अमेरिका ने उन पर केवल 10 प्रतिशत शुल्क लगाया है जबकि भारत पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाया गया है। इससे निपटने के लिए हमें नौकरियों में कटौती करनी पड़ सकती है। इस कारोबार से करीब 35 लाख लोग जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि हमारे कुल 16,000 करोड़ रुपये के निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 9,000 करोड़ रुपये है।

# नहीं रहे अभिनेता मनोज कुमार, 87 साल की उम्र में निधन

**मुंबई।** देशभक्ति फिल्मों के माध्यम से दर्शकों के दिलों में अलग जगह बनाने वाले हिंदी सिने जगत के दिग्गज कलाकार मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने शुक्रवार सुबह मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। मनोज कुमार ने बॉलीवुड को उपकार, पूरब-पश्चिम, क्रांति, रोटी-कपड़ा और मकान सहित ढेर सारी कामयाब फिल्में दीं। इन फिल्मों की वजह से उन्हें दर्शक 'भारत कुमार' के नाम से भी जानते थे। अभिनेता मनोज कुमार का जन्म 24 जुलाई 1937 को ऐबटाबाद में हुआ, जो बंटवारे के बाद पाकिस्तान का हिस्सा बना। बंटवारे के बाद मनोज कुमार के अभिभावकों ने भारत में रहने का फैसला किया। इसी के साथ वह दिल्ली आ गए। मनोज कुमार ने बंटवारे का दर्द बहुत नजदीक से देखा था। बताया जाता है कि वह दिलीप कुमार और अशोक कुमार की फिल्मों को देखकर इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने एक्टर बनने का निश्चय कर लिया। इसी के साथ ही उन्होंने अपना नाम हरिकिशन से बदलकर मनोज कुमार रख लिया। मनोज कुमार एक्टर बनना चाहते थे और जब वह कॉलेज में थे, तो वह थिएटर ग्रुप से जुड़े। दिल्ली से उन्होंने मुंबई का सफर तय किया। मुंबई में मनोज कुमार ने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। 1957 में उनकी फिल्म 'फैशन' आई। इसके बाद 1960 में उनकी फिल्म 'कांच की गुड़िया' रिलीज हुई। बतौर मुख्य अभिनेता के तौर पर यह फिल्म दर्शकों को पसंद आई और लोग मनोज कुमार को नोटिस करने लगे। इसके बाद तो मनोज कुमार ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मनोज कुमार ने इसके बाद हिन्दी सिनेमा को 'उपकार', 'पत्थर के सनम', 'रोटी कपड़ा और मकान', 'संन्यासी' और 'क्रांति' जैसी सुपरहिट फिल्में दीं। खास बात यह है कि दिग्गज अभिनेता की फिल्मों में उनका नाम मनोज कुमार ही रहता था। मनोज कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर एक फिल्म बनाई थी, जिसका नाम 'उपकार' रखा गया। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। दुख की बात यह है कि इस फिल्म को पूर्व पीएम देख नहीं पाए थे। मनोज कुमार को उनकी फिल्मों के लिए 7 फिल्मफेयर पुरस्कार मिले थे। साल 1968 में 'उपकार' ने बेस्ट फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट स्टोरी और बेस्ट डायलॉग के लिए चार फिल्मफेयर जीते। 1992 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 2016 में उन्हें दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया।

## मनोज कुमार के निधन पर बोले बेटे कुणाल गोस्वामी, 'डैडी कुछ समय से बीमार चल रहे थे'

**मुंबई।** हिन्दी सिनेमा के मशहूर अभिनेता मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में शुक्रवार को निधन हो गया। बेटे कुणाल गोस्वामी ने बताया कि अभिनेता कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। कुणाल गोस्वामी ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि अभिनेता मनोज कुमार 2 से 3 सप्ताह से बीमार चल रहे थे। इलाज के लिए उन्हें कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गुरुवार-शुक्रवार की रात 3:30 बजे अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली। कुणाल गोस्वामी ने मनोज कुमार के सभी फैंस का शुक्रिया किया। उन्होंने कहा कि फैंस की दुआओं का असर है कि पिताजी का शांति से स्वर्गवास हुआ है। मैं सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं। उन्होंने बताया कि मुंबई में शनिवार को सुबह 11 बजे अंतिम संस्कार की विधि की जाएगी। कुछ परिजनों का इंतजार किया जा रहा है। मनोज कुमार के निधन पर पीएम मोदी सहित सिनेमा के दिग्गजों द्वारा संवेदना व्यक्त करने पर कुणाल गोस्वामी ने कहा कि मैं पीएम मोदी का आभार जताना चाहता हूं कि उन्होंने अपना प्रेम दिखाया है। मैं पिताजी के प्रति प्यार जताने के लिए सभी का आभार जताना चाहता हूं। मनोज कुमार की फिल्मों के बारे में कुणाल गोस्वामी ने कहा कि पिताजी वास्तविक जीवन में सभी के साथ कनेक्ट थे। उन्होंने 'उपकार', 'रोटी कपड़ा और मकान', 'पूरब पश्चिम' जैसी फिल्में दीं। यह फिल्में उस दौरान में भी प्रासंगिक थीं और आगे भी रहेंगी। मनोज कुमार के निधन से बॉलीवुड में शोक की लहर है। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने इसे फिल्म के लिए बड़ी क्षति बताया तो गीतकार मनोज मुंतशिर ने अपने गीतों की प्रेरणा बताया। वहीं, निर्माता-निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उनके जैसे देशभक्ति कलाकार मरा नहीं करते। मनोज कुमार ने हिन्दी सिनेमा को 'उपकार', 'पत्थर के सनम', 'रोटी कपड़ा और मकान', 'संन्यासी' और 'क्रांति' जैसी सुपरहिट फिल्में दीं।

# मनोज कुमार के निधन पर शोक में डूबा बॉलीवुडः अक्षय कुमार ने जताया दुख

## विवेक अग्निहोत्री बोले- उनके जैसे कलाकार कभी मरते नहीं

**नई दिल्ली।** हिन्दी सिनेमा को अपनी फिल्मों के माध्यम से देशभक्ति का पाठ पढ़ाने वाले दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार(87) के निधन पर फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार और डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने दुख जताया है।

अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि मैं उनसे सीखता हुआ बड़ा हुआ। हमारे देश के लिए प्यार और गर्व से बढ़कर कोई भावना नहीं है, और अगर हम अभिनेता की इस भावना को दिखाने में आगे नहीं आएंगे, तो कौन करेगा। इतने अच्छे इंसान और हमारे बिरादरी की सबसे बड़ी संपत्तियों में से एक थे मनोज सर। ओम शांति।

फिल्म निर्माता विवेक रंजन अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, "भारत के पहले सच्चे मौलिक और प्रतिबद्ध भारतीय फिल्म निर्माता, दादा साहब फाल्के पुरस्कार विजेता मनोज कुमार जी आज हमें छोड़कर चले गए। एक गौरवान्वित राष्ट्रवादी। दिल से एक कट्टर हिंदू। एक दूरदर्शी निर्देशक जिन्होंने भारतीय

सिनेमा को एक नया व्याकरण दिया – गीतों के चित्रण का, सार्थक गीतों का, ऐसा सिनेमा जो न केवल मनोरंजन करता था, बल्कि उससे जुड़ाव भी महसूस कराता था। अग्निहोत्री ने उनके सिनेमा को अनमोल बताते हुए आगे लिखा कि उन्होंने देशभक्ति को बिना शोरगुल के सिनेमाई बना दिया।

उन्होंने राष्ट्रवाद को बिना किसी माफी के काव्यात्मक बना दिया। उधार की आवाजों और दूसरे दर्जे के सौंदर्यशास्त्र के दौर में, उन्होंने अपनी जड़ों से जुड़े रहने का साहस किया। देशभक्त और उनके जैसे कलाकार कभी नहीं मरते। अन्य कलाकार मृत्यु को प्राप्त होते हैं, पर देशभक्त कलाकार कालजयी होते हैं।" बता दें कि मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने शुक्रवार सुबह मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में आखिरी सांस ली। उन्होंने बॉलीवुड को उपकार, पूरब-पश्चिम, क्रांति, रोटी-कपड़ा और मकान सहित ढेर सारी कामयाब फिल्में दीं। इन फिल्मों की वजह से उन्हें दर्शक 'भारत कुमार' के नाम से भी जानते थे। मनोज कुमार के परिजनों के अनुसार, शनिवार को दिग्गज अभिनेता का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

# कपिल शर्मा से रिश्ता खराब नहीं हुआ हैः सुमोना

**मुंबई।** मशहूर कॉमडियन कपिल शर्मा ने अपने नए शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के साथ वापसी की, तो सुमोना चक्रवर्ती की गैरमौजूदगी हर किसी को खलने लगी। फैंस यह जानने को उत्सुक थे कि क्या उनके और कपिल के बीच कोई अनबन हो गई है?

अब इन सवालों का जवाब खुद सुमोना चक्रवर्ती ने दिया है। एक इंटरव्यू में सुमोना ने बताया कि उन्होंने अभी तक कपिल का नया शो देखा भी नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनका और कपिल शर्मा का रिश्ता खराब नहीं हुआ है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्होंने 10 साल तक अलग-अलग चैनलों पर साथ काम किया, जो कई शादियों से ज्यादा लंबा सफर है। सुमोना ने बताया कि हर साल जून-जुलाई में शो का ब्रेक आता था और फिर नया सीजन शुरू होता था। 2023 में जब सोनी टीवी पर आखिरी सीजन खत्म हुआ, तो कपिल यूएस टूर पर चले गए। इसके बाद अचानक खबर आई कि कपिल नेटफ्लिक्स पर नए शो के साथ

वापस आ रहे हैं। लेकिन इस बारे में कपिल और सुमोना के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। सुमोना ने कहा कि उन्होंने कपिल से इस बारे में कोई चर्चा नहीं की और न ही कपिल की ओर से उन्हें कोई कॉल आया।

उन्होंने साफ कर दिया कि कपिल शर्मा से उनकी निजी दोस्ती नहीं है, बल्कि उनका रिश्ता सिर्फ काम तक सीमित था। उन्होंने यह भी कहा कि वह शो को मिस नहीं कर रही हैं और इस समय अपने करियर में नए प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रही हैं। कपिल शर्मा के शो पर अक्सर महिलाओं के मजाक उड़ाने के आरोप लगते रहे हैं। इस पर सुमोना ने खुलकर प्रतिक्रिया दी और कहा कि लोग रियल और रील लाइफ में फर्क नहीं समझते। उन्होंने कहा कि यह एक स्क्रिप्टेड शो है, जहां कपिल, सुमोना को नहीं, बल्कि 'बिट्टू' अपनी पत्नी 'मंजू' को कुछ कह रहा होता है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी को यह पसंद नहीं आता, तो वे शो देखना बंद कर सकते हैं। फिलहाल, सुमोना 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का हिस्सा नहीं हैं और ना ही उनके आने की कोई खबर है। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि अगर भविष्य में कोई ऑफर आता है, तो वह इस बारे में विचार कर सकती हैं। अब फैंस को इंतजार है कि क्या सुमोना फिर से कपिल शर्मा के साथ नजर आएंगी या नहीं। बता दें कि बॉलीवुड और टीवी जगत में कई ऐसी जोड़ियां हैं, जो ऑनस्क्रीन इतनी हिट हो जाती हैं कि फैंस उन्हें असल जिंदगी में भी साथ देखना चाहते हैं। ऐसी ही एक जोड़ी कपिल शर्मा और सुमोना चक्रवर्ती की थी, जिन्हें 'द कपिल शर्मा शो' में सालों तक पति-पत्नी के रूप में देखा गया।

# हड्डियों की देखरेख

हड्डियों से जुड़ी समस्या अब आम हो गई हैं। हमें अपनी उम्र के हिसाब से इनकी देखभाल करनी चाहिये। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती रहती है, हड्डी, जोड़ और कमर का दर्द जीवन का अभिन्न अंग बन जाता है। आज हर 10 में से करीब 4 महिलाओं और 4 में से एक पुरुष को हड्डी से जुड़ी कोई न कोई समस्या जरूर घेरे है। हड्डियां रातोंरात कमजोर नहीं होती हैं, इस प्रक्रिया में सालों-साल चलती है। डाक्टरों का मानना है कि 15-25 वर्ष तक की उम्र में हड्डियों का मास पूर्ण रूप से विकसित हो जाता है। ऐसे में बचपन और युवावस्था के समय का खान-पान, पोषण, जीवनशैली और व्यायाम आगे चलकर हड्डियों की सेहत को निर्धारित करने वाले कारक बनते हैं। हड्डियों की कैसे देखभाल की जाये बता रहे हैं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अमन सूद।

## पंचामृतः-

- हड्डियों की मजबूती के लिए सैर बेहद जरूरी है। क्योंकि इससे मांसपेशियों खिंचाव होता है, जिससे हड्डियां मजबूत रहती हैं।
- अच्छी प्रोटीन डाइट जैसे दालें, अंडा, राजमा, सोयाबीन के अलावा दूध वाले आहार लेने चाहिए। हड्डियों के लिए फायदेमंद हैं।
- बच्चों को दूध पिलाने वाली महिलाओं की हड्डी कमजोर होने की संभावनाएं ज्यादा होती हैं, क्योंकि इससे उनमें कैल्शियम की कमी हो जाती है। इसके लिए महिलाओं को चाहिए कि वह दो वक्त दूध, हर सब्जी आदि जरूर लें।
- 40 वर्ष से ऊपर की महिलाओं की हड्डियां कमजोर हो जाती है। महिलाओं में इस्ट्रोजन हारमोन की कमी हो जाती है जिससे फ्रेक्चर हो जाता है। इसलिए नियमित सैर व आहार बेहद जरूरी है।
- बच्चों की ग्रोथ के लिए भी विटामिन डी-3 व कैल्शियम का होना अति आवश्यक है। जब तक बच्चों में ये नहीं होगा बच्चों का शारीरिक रूप से विकास नहीं होगा। हड्डियों की मजबूती के लिए बच्चों को धूप सेकना भी अति आवश्यक हैं।

## बचपन से ही रखें ख्यालः-

बिगड़ती जीवनशैली, जंक फूड, बढ़ता वजन, घटती आउट डोर एक्टिविटी का असर बच्चों में भी देखने को मिल रहा है। बच्चों में हड्डी की कमजोरी को रिकेट्स कहते हैं, जबकि बड़ों में इसे ऑस्टियोमैलेशिया व ऑस्टियोपोरोसिस कहा जाता है। बच्चों में रिकेट्स विटामिन डी, कैल्शियम की कमी तथा पूर्ण रूप से सूर्य की किरणें न मिल पाने के कारण होता है। आधुनिक जीवनशैली और कंप्यूटर पर लगातार निर्भरता के कारण युवाओं में हड्डी से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। व्यायाम न करने से शरीर कैल्शियम ग्रहण नहीं कर पाता और हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं। जिससे फ्रैक्चर, जांघ की हड्डियों में फासला बढ़ने, जोड़ों के क्षतिग्रस्त होने और स्लिप डिस्क की समस्याएं घेरने लगती हैं।

## ड्राइव करते हुएः-

- सीट पर बैठते समय घुटने हिप्स के बराबर या थोड़े ऊंचे हों। सीट को स्टेयरिंग के पास रखें, ताकि कमर के लचीलेपन को सपोर्ट मिल सके।
- कमर के निचले हिस्से में सपोर्ट के लिए छोटा तौलिया या लंबर रोल रखें। इतना लेग-बूट स्पेस जरूर हो, जिसमें आराम से घुटने मुड़ सकें और पैर पैडल पर आराम से पहुंच सकें। काम करते समय स्क्रीन पर देखने के लिए झुकना न पड़े और न ही गर्दन को जबरन ऊपर उठाना पड़े। कुहनी और हाथ कुर्सी पर रखें। इससे कंधे रिलैक्स्ड रहेंगे।
- कुर्सी लोअर बैक को सपोर्ट करने वाली हो। पैरों के नीचे सपोर्ट के लिए छोटा स्टूल या चैकी रखें। किसी भी मुद्रा में 30 मिनट से ज्यादा लगातार न बैठें। दो घंटे के बाद सीट से अवश्य उठें।

# सर्दियों में बदल डालें अपना वार्डरोब

**सर्दियों में अपने वार्डरोब को बदलने की जरूरत सबको पड़ती है। लेकिन समझ में नहीं आता कि क्या वार्डरोब में रखें और क्या नहीं। यदि आपके साथ भी ऐसी ही समस्या है तो निदान हमारे पास है। यह याद रखिए कि वार्डरोब में बदलाव न केवल आपको नया लुक देते हैं बल्कि आपको फैशनेबल व स्टाइलिश बनाने के लिए भी जरूरी हैं। कुछ फैशन डिजाइनर्स भी विंटर टिप्स के तौर पर आपको यही बता रहे हैं...**

**लेयरिंगः-** इस समय लेयरिंग फैशन का मूल मंत्र है। फैशन डिजाइनर श्वेता बरनवाल का कहना है कि लेयरिंग इस सीजन का सबसे हॉट ट्रेंड है। गर्मियों में जहां हम एक लेयर में खुद को कंफर्टेबल महसूस करते हैं, वहीं सर्दियों में लेयरिंग से न केवल हम खुद को गर्म रखते हैं बल्कि हॉट भी दिखा पाते हैं। गर्मियों के कपड़ों के ऊपर निट्स, जैकेट्स और कार्डिगन्स पहनकर सबको चैंका दीजिए। लंबी बाजू वाले शर्ट को ड्रेस के नीचे पहनिए, पिनाफोर्स और शिफ्ट ड्रेसेज के नीचे टर्टल नेक पहनिए और स्टाइलिश लुक पा लीजिए।

**रंगः-** सर्दियों में वाइब्रेंट कलर्स आंखों को अच्छे लगते हैं। लाइट पेस्टल बिल्कुल नहीं चलते। इसलिए डार्क, ब्राइट, आइसी, ब्लू बेस्ड रंगों के कपड़े पहनिए। टेक्सचर्ड फैब्रिक की बजाय रीफाइन्ड फिनिश पर जोर दीजिए। जैसे- वूल या पपलिश्ड कॉटन। ऑरेंज, गोल्डन ब्राउन, कैमल, ऑफ व्हाइट जैसे रंगों से परहेज कीजिए। ससलिश रंग या सिंपल पैटर्न को चुनिए न कि कई रंगों वाली ड्रेस को।

**बूट्सः-** अपने समर आउटफिट्स में विंटर एक्ससेरीज का प्रयोग करके तो देखिए। सैंडिल्स और पीप-टोज को बाय कीजिए और पंप व लेस-अप शूज का स्वागत कीजिए। जुराबों के साथ स्टेटमेंट हील्स पहनकर डिफरेंट बन जाइए। फैशन डिजाइनर सुरभि सुमन का कहना है कि बूट पहनने का यह बेहतरीन समय है। कार्डिगन के साथ बूट्स पहनिए और कहीं भी निकल जाइए।

**प्लोरलः-** इस समय फ्लोरल ड्रेसेज से आंखें मत मूंदिए, बस डार्क कलर के फ्लोरल ड्रेसेज इस मौसम में अच्छे लगते हैं। कॉटन और लिनेन में फ्लोरल ड्रेसेज को भूल जाइए, साटिन, प्लश मैशमिर या वेलवेट में फ्लोरल ड्रेसेज इस सीजन में हॉट लगते हैं। लंबी बाजू और कम हेमलाइन वाली ड्रेस ब्रीजी फ्लोरल को बैलेंस्ड लुक देती है।

**एक्सेसरीजः-** सिर्फ कुछ एक्सेसरीज ही आपको नया लुक देने में सक्षम हैं। पशमीना का स्टोल या स्टाइलिश मफलर या फर का स्टोल आपको एलीगेंट लुक दे सकता है। स्वेड या निटेड बैग या झोला जरूर साथ में रखें। अपने चेहरे के शेप को ध्यान में रखते हुए हैट खरीद सकती हैं। यदि आपका चेहरा गोल या चैकोर है तो लो प्रोफाइल और स्ट्रेट बिम वाली हैट खरीदें। लंबे चेहरे वालों को लो प्रोफाइल व चैड़े बिम वाली हैट सूट करती है। ओवल चेहरे वालों को हर तरह की हैट फिट बैठती है।

**मिक्स एंड मैचः-** जैकेट पहनें या ओवरकोट, जो इच्छा हो। चाहें तो अपने भाई की ओवरसाइज्ड जैकेट को पहन लें और हाथ के पास मोड़ लें। यह रफ एंड टफ लुक देता है। मम्मी की वार्डरोब से यूं तो कुछ नहीं ले पाती हैं लेकिन सर्दियों में मम्मी के शाल्स पर हाथ जरूर साफ कर लें। उनके शाल को चाहें तो ट्रेडिशनल स्टाइल में ओढ़ लें या फिर गले पर लटका लें। चाहें तो मफलर की तरह गले पर बांधें या साइड में लटका ही लें।

## आज का राशिफल

**मेष राशि :-** धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। पुराने मित्र मिलेंगे।

**वृषभ राशि :-** कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

**मिथुन राशि :-** मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए।

**कर्क राशि :-** समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

**सिंह राशि :-** परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें।

**कन्या राशि :-** जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

**तुला राशि :-** पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी।

**वृश्चिक राशि :-**ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे।

**धनु राशि :-** महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

**मकर राशि :-** शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

**कुम्भ राशि :-** समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

**मीन राशि :-**व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी।

**-ज्योतिषाचार्यः पंडित जितेंद्र तिवारी**

# पंजाब और राजस्थान के मुकाबले में जायसवाल की फॉर्म पर रहेगी निगाह

मुल्लांपुर, चार अप्रैल (भाषा) राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने नियमित कप्तान संजू सैमसन की अगुवाई में पंजाब किंग्स के खिलाफ शनिवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरेगी तो सभी की निगाह खराब फॉर्म में चल रहे यशस्वी जायसवाल पर टिकी रहेगी जो मैदान के बाहर की घटनाओं के बजाय अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरना चाहेंगे।

जायसवाल हाल में तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने मुंबई की टीम के अपने एक सीनियर साथी के साथ कथित मतभेदों के कारण घरेलू क्रिकेट में गोवा की तरफ से खेलने का फैसला किया। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज आईपीएल में अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। उन्होंने दिन मैच में केवल 34 रन बनाए हैं जिसका उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स पर काफी प्रभाव पड़ रहा है। जायसवाल की खराब फॉर्म का एक कारण उनका मैच अभ्यास की कमी है क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी में वनडे क्रिकेट में पदार्पण के बाद वह आईपीएल से पहले किसी प्रतिस्पर्धी मैच में नहीं खेले थे। उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी की टीम से भी

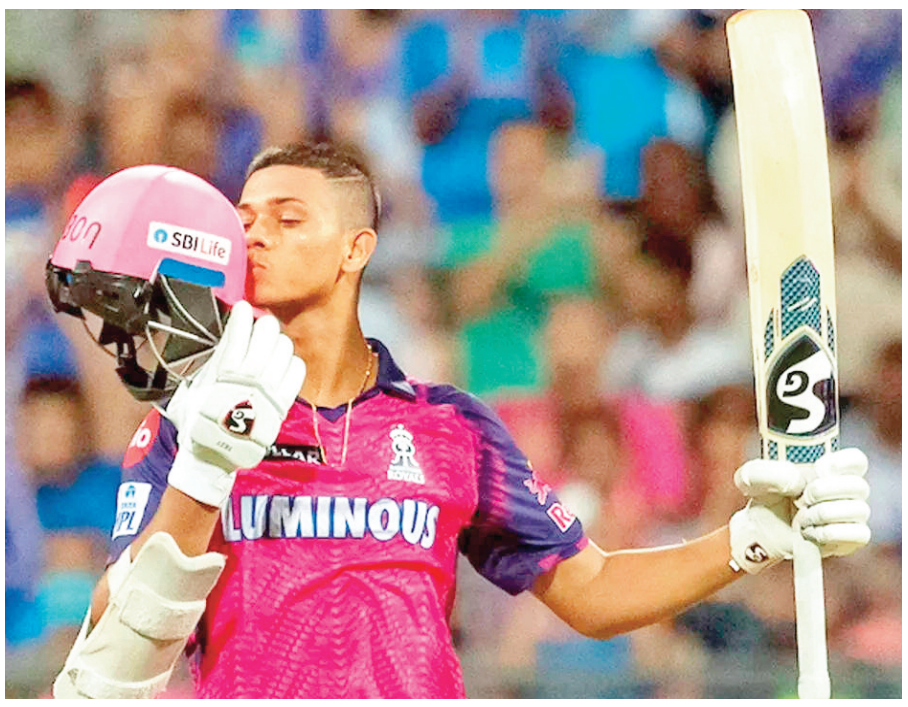

बाहर कर दिया गया था। सैमसन की उंगली में चोट के कारण राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को पहले तीन मैच के लिए कप्तान नियुक्त किया था और यह स्पष्ट नहीं है कि जायसवाल को यह फैसला नागवार गुजरा या नहीं। लेकिन यह बात किसी से छुपी नहीं है कि जायसवाल आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं लेकिन अभी उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना होगा क्योंकि आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में फॉर्म बद से बदतर होने में देर नहीं लगती। रियान पराग की कप्तानी में नेतृत्व कौशल की अनुभवहीनता स्पष्ट नजर आई लेकिन इस बीच उसकी टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को हराया जिससे उसके खिलाड़ी आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे। रॉयल्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर होंगे जिन्होंने लगातार दो अर्धशतक जमा कर अपनी शानदार फॉर्म का परिचय दिया है।

वह लंबे शॉट खेलने से नहीं हिचकिचा रहे हैं। इसका सबूत यह है कि उन्होंने अभी तक केवल दो मैच में 13 छक्के लगाए हैं। अय्यर ने आईपीएल 2024 में 16 मैच में इतने छक्के लगाए थे। यही नहीं अय्यर ने अपने कप्तानी कौशल का भी शानदार नमूना पेश किया है। उन्होंने पहले दो मैच में जिस तरह से ग्लेन मैक्सवेल का स्पिन गेंदबाज के रूप के रूप में इस्तेमाल किया, वह सराहनीय है।

जहां तक राजस्थान रॉयल्स का सवाल है तो संजू सैमसन की कप्तान के रूप में वापसी से उसकी टीम का हौसला बढ़ेगा लेकिन पंजाब किंग्स के विजय अभियान पर रोक लगाने के लिए उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

### इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **पंजाब किंग्सः** श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, जोश इंग्लिस, प्रभसिमरन सिंह, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, आरोन हार्डी, मार्को जानसन, ग्लेन मैक्सवेल, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, लॉकी फर्ग्यूसन। हरप्रीत बराड़, कुलदीप सेन, विजयकुमार वैश्य, यश ठाकुर।
- **राजस्थान रॉयल्सः** संजू सैमसन (कप्तान), रियान पराग, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

**(मैच शाम 7:30 पर शुरू होगा)**

# विशेषज्ञों ने खिलाड़ियों को हर्बल सप्लीमेंट के लापरवाह सेवन के प्रति चेताया

**पटियाला।** शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने यहां नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) में हाल में संपन्न एक सम्मेलन में खिलाड़ियों को 'हर्बल सप्लीमेंट' के सेवन में लापरवाही बरतने के प्रति चेतावनी दी। दो दिन के सेमीनार में 'हार्मोनाइजिंग मूवमेंट : शानदार प्रदर्शन के लिए योग को खेल विज्ञान के साथ एकीकृत करने' के बारे में खेल विज्ञान के कई विषयों पर चर्चा की गई। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के हाई परफोरमेंस निदेशक (एथलेटिक्स) वजीर सिंह फोगाट ने बताया कि एथलीट अकसर ताकत, सहनशक्ति, प्रतिरक्षा और उबरने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए 'हर्बल सप्लीमेंट' का सहारा लेते हैं।

साई की एक विज्ञप्ति में फोगाट के हवाले से कहा गया कि आमतौर पर इन सप्लीमेंट को पारंपरिक तौर पर प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्प के रूप में देखा जाता है। साई की वैज्ञानिक अधिकारी (पोषण) वाणी भूषणम गोला ने भी अनुचित उपयोग से जुड़े जोखिमों के बारे में चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि कई खिलाड़ी सही मार्गदर्शन के बिना 'हर्बल सप्लीमेंट' का सेवन करते हैं जिसके अधिक सेवन के कारण विषाक्तता या हार्मोनल असंतुलन हो सकता है। वहीं अपर्याप्त सेवन से कोई लाभ नहीं मिलता है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में स्वस्थवृत्त के प्रमुख शिवकुमार हरती ने इस बात पर जोर दिया कि 'हर्बल सप्लीमेंट' में विशिष्ट औषधीय गुण होते हैं और इन्हें एथलीट के व्यक्तिगत लक्ष्यों, ट्रेनिंग के स्तर और उनके शरीर के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए और इन पर निगरानी रखी जानी चाहिए। विशेषज्ञों ने नींद और योग के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मेडिसिन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतबीर सिंह खालसा ने कहा कि शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की रिकवरी के लिए नींद बहुत महत्वपूर्ण है और इसलिए नींद के बारे में जागरूकता खेल शिक्षा का एक अभिन्न अंग होना चाहिए। भारतीय महिला टीम की पूर्व हॉकी कप्तान रानी रामपाल भी सिंह की बात से सहमत थीं। उन्होंने कहा कि योग आपके दिमाग को नियंत्रित करने में मदद करता है और दबाव की स्थिति में यह आपको नियंत्रण में रखता है। खेलों में दिमाग पर नियंत्रण कौशल या शारीरिक क्षमता से कम महत्वपूर्ण नहीं है।

# नीरज चोपड़ा 24 मई को लेंगे वैश्विक भाला फेंक स्पर्धा में हिस्सा

**नई दिल्ली।** भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा स्टार खिलाड़ियों से सजी वैश्विक भाला फेंक स्पर्धा में शिरकत करेंगे जिसका आयोजन 24 मई को पंचकुला में होगा। इस प्रतियोगिता का नाम नीरज चोपड़ा क्लासिक रखा गया है क्योंकि यह भारतीय स्टार इसके आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहा। खेल की संचालन संस्था विश्व एथलेटिक्स ने इस प्रतिस्पर्धा को श्रेणी ए का दर्जा दिया है जो ताऊ देवी लाल स्टेडियम में होगी। विश्व एथलेटिक्स की वेबसाइट ने हालांकि इस स्पर्धा को अपने 'कॉन्टिनेंटल टूर' के तौर पर सूचीबद्ध नहीं किया है।

यह कैलेंडर हालांकि सत्र की शुरुआत से पहले लगाया गया था। इससे पहले जनवरी में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने इस स्पर्धा का समर्थन करते हुए कहा था कि इससे भारत की शीर्ष स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की काबिलियत को प्रदर्शित करने में मदद मिलेगी। इस प्रतिस्पर्धा की आयोजन समिति में चोपड़ा भी शामिल हैं। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के साथ मिलकर उन्होंने इस प्रतियोगिता को देश में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स इस प्रतियोगिता को विश्व एथलेटिक्स

कैलेंडर में वार्षिक टूर्नामेंट बनाना चाहते हैं। एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि इस टूर्नामेंट से देश की एथलेटिक्स छवि में सुधार आएगा। सागू ने पीटीआई से कहा कि यह टूर्नामेंट उसी स्थान पर हो रहा है जहां नीरज ने अपने जूनियर शिविर का अधिकांश समय बिताया था।

वह इस टूर्नामेंट को अपने गृह राज्य में करवाना चाहते होंगे। नीरज की भागीदारी के साथ देश में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करना भारतीय एथलेटिक्स के लिए बहुत अच्छी बात है। हरियाणा के पानीपत के करीब खांद्रा गांव के रहने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा ने 2012 से 2015 तक पंचकुला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में ट्रेनिंग ली थी।

चोपड़ा ने हाल में दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी जान जेलेजनी को अपना कोच बनाया है और उनके 16 मई को दोहा डायमंड लीग प्रतियोगिता में अपना सत्र शुरू करने की उम्मीद है। पंचकुला में होने वाला यह टूर्नामेंट इस सत्र में नीरज की दूसरी प्रतियोगिता होगी।

# चेन्नई और दिल्ली के मैच में नूर अहमद और कुलदीप यादव निभा सकते हैं निर्णायक भूमिका

**चेन्नई।** दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव और चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद इन दोनों टीमों के बीच शनिवार को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। चेन्नई की तेज गर्मी में यह मैच दोपहर बाद खेला जाएगा और जिस तरह से यहां की पिच स्पिनर के लिए मददगार रही है, ऐसे में दोनों टीमों की जीत

की संभावना लगभग बराबर है। ऐसी परिस्थितियों में दिल्ली के लिए कुलदीप और चेन्नई के लिए नूर की भूमिका महत्वपूर्ण बन गई है। कुलदीप का इकोनॉमी रेट अभी तक 5.25 जबकि नूर का 6.83 है। बीच के ओवरों में यह दोनों स्पिनर अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं। यह दोनों कलाई के स्पिनर हैं और उनके बीच मुकाबला दिलचस्प होगा।

नूर जहां अधिक गति से गेंदबाजी करते हैं वहीं कुलदीप ने क्रीज के कोणों का उपयोग करने और अपनी गेंदों की गति को बदलने की कला में महारत हासिल कर ली है। अगर बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली कैपिटल्स को आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम और अनुभवी केएल राहुल की मौजूदगी से मध्यक्रम में मजबूती मिली है। दूसरी तरफ चेन्नई सुपर किंग्स के लिए महेंद्र सिंह धोनी की मारक क्षमता कम होना चिंता का विषय है। शिवम दुबे को छोड़कर उसके मध्यक्रम में कोई भी ऐसा बल्लेबाज नहीं है जो अंतिम 10 ओवरों में 180 या 200 की स्ट्राइक रेट से रन बना सके। चेन्नई के सलामी बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी की तेज गेंदबाजों के सामने कमजोरी खुलकर सामने आ गई है।

धोनी ने उन्हें रुतुराज गायकवाड की जगह पारी का आगाज करने के लिए भेजने का फैसला किया था लेकिन वह अभी तक अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरे हैं। दिल्ली की टीम में फाफ डु प्लेसी की मौजूदगी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है क्योंकि दक्षिण अफ्रीका का यह बल्लेबाज लंबे समय तक चेन्नई की टीम का हिस्सा रहा था और वह यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह अवगत हैं। उनके अनुभव का जेक-फ्रेजर मैकगर्क, ट्रिस्टन स्टब्स और अभिषेक पोरेल जैसे बल्लेबाजों को मदद मिलेगी। मैकगर्क को स्पिनरों को खेलने में थोड़ी दिक्कत होती है और यह देखना दिलचस्प होगा कि ऑस्ट्रेलिया का यह बल्लेबाज रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी स्पिनर का किस तरह से सामना करता है। अश्विन हालांकि अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। एमए चि दं ब र म स्टेडियम में इन दोनों टीमों के बीच अभी तक जो नौ मैच खेले गए हैं उनमें से चेन्नई सात मैच में विजयी रहा है।

### इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **चेन्नई सुपर किंग्सः** रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रवींद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुडा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस। गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्दार्थ।
- **दिल्ली कैपिटल्सः** अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसी, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव

**(मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा)**

## हॉपमैन कप मिश्रित टीम टेनिस टूर्नामेंट 16 से 20 जुलाई तक, इटली करेगा मेजबानी

**बारी (इटली)।** प्रतिष्ठित हॉपमैन कप का आयोजन इस वर्ष 16 से 20 जुलाई तक इटली के बारी शहर में किया जाएगा। यह टूर्नामेंट विंबलडन के एक हफ्ते बाद आयोजित होगा। इस मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इटली, फ्रांस, स्पेन, ग्रीस, कनाडा और गत विजेता क्रोएशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। हॉपमैन कप में हर टीम में एक पुरुष और एक महिला खिलाड़ी शामिल होता है। प्रत्येक टाई में एक पुरुष एकल, एक महिला एकल और एक मिश्रित युगल मैच खेला जाता है। यह टूर्नामेंट एटीपी या डब्ल्यूटीए रैंकिंग अंक प्रदान नहीं करता। मेजबान इटली की ओर से जैस्मिन पाओलिनी और फ्लावियो कोबोली खेलेंगे। अन्य देशों की टीमों की घोषणा अभी नहीं हुई है। पाओलिनी पिछले साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन की महिला एकल उपविजेता रही थीं और उन्होंने पेरिस ओलंपिक में सारा एरानी के साथ महिला युगल का स्वर्ण पदक भी जीता था। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज हैरी हॉपमैन के नाम पर शुरू हुआ यह टूर्नामेंट 1989 से 2020 तक लगातार खेला गया। 2023 में इसे फ्रांस में दोबारा शुरू किया गया था, जहां क्रोएशिया के डोना वेकिक और बोर्ना चोरिच की जोड़ी ने खिताब जीता था। करीब तीन दशक तक यह टूर्नामेंट पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) में नए साल की शुरुआत में आयोजित होता रहा। पिछले साल यह टूर्नामेंट फ्रांस के नीस में होना था, लेकिन ओलंपिक के नजदीक होने के चलते इसे रद्द कर दिया गया था। बारी में इसका आयोजन इटली के व्यस्त टेनिस कैलेंडर में एक और आयोजन को जोड़ता है, जहां मई में इटालियन ओपन, और नवंबर में एटीपी फाइनल्स व डेविस कप फाइनल्स भी आयोजित होते हैं।



# हॉकी इंडिया लीग ने भारत में 4.1 करोड़ से अधिक दर्शकों को किया आकर्षित

**नई दिल्ली।** हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 की बहुप्रतीक्षित वापसी ने भारतीय हॉकी में एक नया अध्याय जोड़ते हुए देशभर में खेल के प्रति जुनून को फिर से जीवंत कर दिया है। सात साल के अंतराल के बाद पुरुषों की लीग की वापसी और पहली बार महिला लीग की शुरुआत ने इस संस्करण को ऐतिहासिक बना दिया। लीग की रिकॉर्ड तोड़ दर्शक संख्या और डिजिटल प्रभाव इस बात का प्रमाण हैं कि हॉकी आज भी लाखों भारतीयों के दिलों की धड़कन बनी हुई है। हीरो एचआईएल 2024-25 ने उम्मीदों से कहीं बढ़कर प्रदर्शन किया है। इस बार कुल 4.08 करोड़ दर्शकों तक पहुंच दर्ज की गई, जो एचआईएल 2017 के 2.75 करोड़ दर्शकों की तुलना में 48 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि है। पुरुषों का फाइनल मुकाबला अकेले 30.7 लाख दर्शकों ने देखा, जबकि महिलाओं का सबसे लोकप्रिय मैच 29.2 लाख दर्शकों तक पहुंचा।

भारत के अलावा 18 हॉकी खेलने वाले देशों में 50 लाख से अधिक दर्शकों ने टीवी और ओटीटी के माध्यम से लीग का आनंद लिया। इस बार लीग ने परंपरागत दर्शक वर्ग के अंतर को भी तोड़ा है। सामान्यतः पुरुष और महिला खेलों के दर्शकों में छह गुना तक का अंतर देखने को मिलता है, लेकिन हीरो एचआईएल ने इस सोच को बदल दिया। कई मौकों पर महिला मुकाबलों को भी पुरुष मुकाबलों के समान दर्शक मिले। 44



- पुरुषों की लीग ने 3.29 करोड़ और महिलाओं की लीग ने 1.51 करोड़ दर्शकों को जोड़ा

पुरुष मुकाबलों को 3.29 करोड़ दर्शकों (2.35 करोड़ टीवी पर और 94 लाख ओटीटी पर) ने देखा, वहीं 13 महिला मुकाबलों को 1.51 करोड़ दर्शकों (1.05 करोड़ टीवी पर और 45.9 लाख ओटीटी पर) ने देखा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा कि हीरो एचआईएल 2024-25 की सफलता भारत में हॉकी के प्रति गहरे प्रेम का प्रतीक है। प्रशंसकों, ब्रांडों और प्रसारकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया लीग की अपार संभावनाओं को दर्शाती है। हम भविष्य में भी भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" सिर्फ टीवी और स्ट्रीमिंग ही नहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी एचआईएल की गूंज सुनाई दी। फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर हॉकी इंडिया के 3,000 से अधिक पोस्ट्स पर 1 अरब से अधिक व्यूज़ दर्ज किए गए, जो एक सक्रिय और जीवंत हॉकी समुदाय का प्रमाण है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि हीरो एचआईएल की वापसी केवल आंकड़ों की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्रशंसकों और खिलाड़ियों में जागे नए उत्साह के लिहाज से भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि रही है। महिला लीग की शुरुआत समावेशिता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। हीरो हॉकी इंडिया लीग की यह सफलता टोक्यो ओलंपिक के बाद से हॉकी की बढ़ती लोकप्रियता को भी दर्शाती है, जहां पहले सप्ताह में हॉकी ने कुल 6.9 करोड़ दर्शकों में से 15.2 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की थी।

# कप्तानी छोड़ने के बाद हल्का महसूस कर रहा हूं: जोस बटलर

**मुंबई।** इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज जोस बटलर ने कहा कि अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद वह हल्का महसूस कर रहे हैं तथा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी नई मानसिकता के साथ स्वच्छंद होकर खेल रहे हैं। इंग्लैंड की टीम चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई थी इसके बाद बटलर ने कप्तानी छोड़ दी थी।

वह इस दौरान स्वयं रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। लेकिन आईपीएल में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलते हुए उन्होंने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। इस 34 वर्षीय बल्लेबाज ने तीन मैच में 166 रन बनाए हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। बटलर ने शुक्रवार को कहा कि मैं निश्चित तौर पर काफी हल्का महसूस कर रहा हूं। कप्तान के रूप में जब आप अनुकूल परिणाम हासिल नहीं करते हो तो आप पर इसका दबाव पड़ता है तथा आप चीजों को सही करने के लिए अपना काफी समय और ऊर्जा लगाते हो। उन्होंने कहा कि लेकिन अब कप्तानी की जिम्मेदारी से मुक्त होने के बाद मैं

काफी सहज महसूस कर रहा हूं। अब मैं अपना पूरा ध्यान अपने खेल पर लगा सकता हूं। बटलर टी20 क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के रूप में खेलते रहे हैं लेकिन हाल में वह इंग्लैंड और अब आईपीएल में गुजरात की तरफ से तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मैं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने को लेकर सहज हूं। मैंने हाल में इंग्लैंड की तरफ से भी इस नंबर पर बल्लेबाजी की थी और मैं सलामी बल्लेबाज के रूप मेंअपने अनुभव का इस्तेमाल कर रहा हूं। बटलर ने गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व कौशल और साईं सुदर्शन की बल्लेबाजी की प्रशंसा भी की।

उन्होंने कहा, कि गिल शानदार कप्तान है। उसके पास नेतृत्व कौशल के अच्छे गुण हैं। वह आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व करता है। वह सभी के साथ मिलकर रहता है। मैं वास्तव में उसकी कप्तानी में खेलने का आनंद ले रहा हूं। सुदर्शन के बारे में बटलर ने कहा कि साईं वास्तव में प्रभावशाली बल्लेबाज है। वह बेहतरीन खिलाड़ी है। मैं जानता था कि वह अच्छा खिलाड़ी है लेकिन जब आपको करीब से देखने का मौका मिलता है अब आप सही आकलन कर सकते हैं। वह शानदार बल्लेबाज है और उसका भविष्य उज्जवल है।

## शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों ने की ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग

**वाशिंगटन।** नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, आर्यना सबालेंका और कोको गॉफ उन 20 प्रमुख टेनिस खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने चारो ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि बढ़ाने और खिलाड़ियों को प्रभावित करने वाले फैसलों में उनकी बात को अधिक तवज्जो देने की मांग की है। इन खिलाड़ियों ने इस संबंध में चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के प्रमुखों को पत्र लिखा है। यह पत्र 21 मार्च को लिखा गया था जिसकी एक प्रति एसोसिएटेड प्रेस के पास है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के प्रमुख क्रेग टिली, फ्रेंच ओपन के स्टीफन मोरेल, विंबलडन के सैली बोल्टन और अमेरिकी ओपन के ल्यू शेर को संबोधित इस पत्र में इस महीने होने वाले मैड्रिड ओपन के दौरान खिलाड़ियों के प्रतिनिधियों और चारों ग्रैंड स्लैम के प्रमुखों के बीच बैठक करने का अनुरोध किया गया है। इस पत्र में पुरुष रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर हैं जबकि महिला वर्ग में चोटी की 11 खिलाड़ियों में से केवल ऐलेना रयबाकिना के इस पर हस्ताक्षर नहीं हैं। अभी ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन की कुल पुरस्कार राशि लगभग 58 मिलियन डॉलर जबकि विंबलडन की लगभग 64 मिलियन और अमेरिकी ओपन की लगभग 75 मिलियन डॉलर है।

## प्रधानमंत्री मोदी ने यूनुस से की मुलाकात

# बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भारत की चिंताएं साझा कीं

**बैंकॉक।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मुहम्मद यूनुस के साथ बैठक में वहां हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर भारत की चिंताओं को रेखांकित किया।

मोदी ने साथ ही उम्मीद जताई कि बांग्लादेशी सरकार अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार के मामलों की गहन जांच सहित उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। दोनों नेताओं ने 'बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल' (बिम्सटेक) समूह के नेताओं की शिखर बैठक से इतर यह मुलाकात की। पिछले वर्ष अगस्त में बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ किये जाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की बांग्लादेश के शीर्ष नेतृत्व से यह पहली मुलाकात थी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने यूनुस-मोदी की बैठक के बारे में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से संबंधित भारत की चिंताओं को रेखांकित किया। मिस्री ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश सरकार

अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार के सभी मामलों की गहन जांच सहित उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

विदेश सचिव ने बताया कि बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने यह भी आह्वान किया कि माहौल खराब करने वाली किसी भी बयानबाजी से बचना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत का समर्थन दोहराया। मिस्री ने बैठक के बारे में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया कि भारत संबंधों के लिए जन-केंद्रित दृष्टिकोण में विश्वास करता है। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रहे सहयोग पर प्रकाश डाला, जिससे दोनों देशों के लोगों को बहुत लाभ मिला है। इस भावना के साथ, उन्होंने प्रोफेसर यूनुस को व्यावहारिकता की भावना के आधार पर बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की भारत की इच्छा को रेखांकित किया। विदेश सचिव के मुताबिक बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने सीमा पर कानून के सख्त क्रियान्वयन तथा सीमा सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए, विशेष रूप से रात के समय अवैध तरीके से सीमा पार करने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के मुद्दे पर चर्चा की।

मिस्री से जब सवाल किया गया कि क्या यूनुस ने हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा उठाया, तो उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब नहीं दिया। विदेश सचिव ने कहा कि इस मुद्दे पर फिलहाल बात करना उचित नहीं है और मंत्रालय पहले ही कह चुका है कि उसे बांग्लादेश से अनुरोध प्राप्त हुआ है।

## बैंकाक में पीएम मोदी और ओली ने की मुलाकात

**काठमांडू।** बैंकाक में नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात हुई है। बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हुई है। यह मुलाकात अब से थोड़ी देर पहले स्थानीय समय अनुसार अपराह्न 4 बजे बैंकाक के होटल मैंडरिन ओरियंटल में मुलाकात हुई है। दोनों नेताओं के बीच करीब 20 मिनट तक वार्ता होने की जानकारी प्रधानमंत्री ओली के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल ने दी है। नेपाल की तरफ से इस बैठक में प्रधानमंत्री ओली के अलावा विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा, ओली के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल, आर्थिक सलाहकार डॉ. युवराज खतिवड़ा, मुख्य सचिव एकणारायण अर्याल और विदेश सचिव अमृत राई मौजूद रहे। इसी तरह भारत की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी के अलावा विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा, विदेश सचिव विक्रम मिस्री मौजूद रहे। मोदी और ओली के बीच यह दूसरी बार वार्ता हुई है। इससे पहले सितंबर 2024 में न्यूयॉर्क में हुई थी। मुलाकात जब दोनों नेता संयुक्त राष्ट्र महासभा में सहभागी होने गए थे। ओली को सत्ता संभाले 8 महीने होने के बावजूद अब तक भारत भ्रमण पर नहीं बुलाया गया है।

## पीएम मोदी ने म्यांमा की सैन्य सरकार के प्रमुख से मुलाकात की, कहा- मदद को तैयार हैं

**बैंकॉक।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को म्यांमा की सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की और कहा कि भारत भूकंप प्रभावित म्यांमा को हर संभव सहायता प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। म्यांमा में आए भीषण भूकंप में अब तक हजारों लोगों की जान चली गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय और तकनीकी सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) के नेताओं की शिखर बैठक से इतर म्यांमा की सैन्य सरकार के प्रमुख से मुलाकात की। बिम्सटेक एक क्षेत्रीय पहल है जिसमें भारत के पड़ोसी देश थाईलैंड, म्यांमा, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और श्रीलंका शामिल हैं। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान म्यांमा के वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की। हाल में आए भूकंप के कारण हुई जान-माल की हानि पर एक बार फिर संवेदना व्यक्त की। भारत इस कठिन समय में म्यांमा के अपने भाइयों और बहनों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। फरवरी 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद सत्ता में आए सीनियर जनरल मिन के साथ यह प्रधानमंत्री की पहली बातचीत थी। उन्होंने कहा कि हमने भारत और म्यांमा के बीच द्विपक्षीय संबंधों, विशेषकर 'कनेक्टिविटी', क्षमता निर्माण, बुनियादी ढांचा विकास आदि क्षेत्रों पर भी चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि वरिष्ठ जनरल ने राहत सहायता के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने गुजरात के भुज में आए भूकंप के बाद वहां किए गए पुनर्निर्माण कार्य और नेतृत्व के लिए भी मोदी की सराहना की तथा म्यांमा एवं अन्य देशों को इससे मिली सीख का भी जिक्र किया। भारत ने भूकंप प्रभावित म्यांमा में राहत प्रयासों में मदद के लिए 'ऑपरेशन ब्रह्मा' शुरू किया है। फरवरी 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद वरिष्ठ जनरल मिन देश की सत्ता संभाल रहे हैं। 35 मिनट की इस बैठक के दौरान म्यांमा के शासक ने 28 मार्च को आए भूकंप के तुरंत बाद भारत द्वारा भेजी गई सहायता की सराहना की। बताया जाता है कि प्रधानमंत्री ने वरिष्ठ जनरल मिन से कहा कि मदद के लिए तैयार हैं। भारत ने मांडले में 'सैन्य फील्ड अस्पताल' बनाए हैं। म्यांमा प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी मांडले में भारत द्वारा स्थापित अस्पताल का दौरा किया। भारत ने अपने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों को भी तैनात किया है जो म्यांमा में राहत एवं बचाव कार्य में सहायता कर रहे हैं।

म्यांमा को बिम्सटेक की सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है, सदस्य देशों को जोड़ने वाली सभी प्रमुख परियोजनाएं म्यांमा से होकर गुजरती हैं, जहां स्थानीय प्रशासन का देश के विभिन्न क्षेत्रों पर बहुत कम नियंत्रण है। म्यांमा में आए भीषण भूकंप ने उसे अन्य राष्ट्रों के साथ जुड़ने का अवसर दिए है, क्योंकि वह भूकंप से उबरने के लिए मानवीय सहायता चाहता है। म्यांमा में भूकंप में 3,000 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, लगभग 5,000 लोग घायल हुए हैं और देशभर में 370 से ज्यादा लोग लापता हैं। वरिष्ठ जनरल मिन ने बिम्सटेक देशों के नेताओं के लिए आयोजित आधिकारिक रात्रिभोज में भी भाग लिया। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि बिम्सटेक सदस्यों ने बृहस्पतिवार को मंत्रिस्तरीय बैठकों के दौरान आपदा प्रबंधन पर चर्चा की। चीन ने म्यांमा को भेजी गई सहायता की मात्रा का ब्योरा दिया है, जबकि भारत ने कहा है कि वह संकट के समय देशों को दी जाने वाली मानवीय सहायता के मौद्रिक मूल्य निर्धारण में विश्वास नहीं करता।

### संक्षिप्त खबरें

## दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल को पद से हटाया गया

**सियोल।** दक्षिण कोरिया के संवैधानिक न्यायालय ने 'मॉर्शल लॉ' लागू करने के कारण देश के राष्ट्रपति यून सुक येओल को शुक्रवार को पद से हटाने का फैसला सुनाया। न्यायालय के इस फैसले के बाद यून ने जनता की उम्मीदों पर खरा न उतर पाने के लिए उनसे माफी मांगी है। यून पर यह कार्रवाई इसलिए की गई है क्योंकि चार माह पहले उन्होंने देश में 'मार्शल लॉ' की घोषणा करके और संसद में सेना भेजकर देश की राजनीति में तूफान ला दिया था। दक्षिण कोरिया को अब नया राष्ट्रपति चुनने के लिए दो माह के भीतर चुनाव कराना होगा। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि मुख्य विपक्षी 'डेमोक्रेटिक पार्टी' के नेता ली जे-म्यांग अगले राष्ट्रपति बन सकते हैं। न्यायालय का फैसला आने के बाद पुराने शाही महल के पास यून के विरोध में रैली कर रहे लोग खुशी से नाचने लगे। यून द्वारा मार्शल लॉ की घोषणा किए जाने और उसके बाद उन पर महाभियोग शुरू किए जाने के कारण देश की राजनीति में उथल-पुथल पैदा हो गई थी।

## कंसास में भारतीय मूल के कैथोलिक पादरी की गोली मारकर हत्या

**सेनेका (अमेरिका)।** कंसास के सेनेका शहर में एक भारतीय मूल के कैथोलिक पादरी की एक व्यक्ति ने गोली मारकर हत्या कर दी। चर्च के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कंसास में कंसास सिटी के आर्चडायोसिस के आर्कबिशप जोसेफ नौमन ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा कि मैं फादर अरुल कारासला की मृत्यु की दुखद खबर साझा करते हुए बहुत दुखी हूं, जिनकी आज गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि इस हिंसक कृत्य ने हमसे हमारे एक प्रिय पादरी, नेता और मित्र को छीन लिया। चर्च की वेबसाइट पर उनके प्रोफाइल के अनुसार, कारासला 2011 से सेनेका स्थित सेंट पीटर एंड पॉल कैथोलिक चर्च में पादरी थे। उन्हें 1994 में अपने गृह देश भारत में पादरी नियुक्त किया गया था और वह 2004 से कंसास में सेवा कर रहे थे। वह 2011 में अमेरिकी नागरिक बन गए थे। पादरी के फेसबुक पेज पर एक पोस्ट में कहा गया कि पादरी को चर्च में गोली मार दी गई और कुछ ही देर बाद स्थानीय अस्पताल में उन्होंने दम तोड़ दिया। पोस्ट में कहा गया कि एक संदिग्ध शूटर कथित तौर पर हिरासत में है।

## पीएम मोदी ने बिम्सटेक देशों की भुगतान प्रणालियों को यूपीआई से जोड़ने का प्रस्ताव पेश किया

**बैंकॉक।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'बिम्सटेक' (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) समूह को नयी गति प्रदान करने के उद्देश्य से भारत के 'यूपीआई' (यूनिफायड पेमेंट इंटरफेस) को इसके सदस्य देशों की भुगतान प्रणालियों से जोड़ने का शुक्रवार को प्रस्ताव रखा। इस कदम से क्षेत्र में व्यापार, कारोबार और पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है।

यहां छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने 'बिम्सटेक चैंबर ऑफ कॉमर्स' की स्थापना करने, वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन आयोजित करने तथा क्षेत्र के भीतर स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर विचार करने का भी प्रस्ताव रखा। संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने 28 मार्च को आए विनाशकारी भूकंप में म्यांमा और थाईलैंड में हुई जान-माल की हानि पर अपनी संवेदना व्यक्त की। मोदी ने आपदा प्रबंधन के लिए भारत में 'बिम्सटेक उत्कृष्टता केंद्र' की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा, ताकि आपदा तैयारी, राहत एवं पुनर्वास पर सहयोग किया जा सके।

बिम्सटेक एक क्षेत्रीय पहल है जिसमें भारत के पड़ोसी देश थाईलैंड, म्यांमा, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और श्रीलंका शामिल हैं। थाईलैंड द्वारा आयोजित बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भारत, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमा, श्रीलंका और भूटान के नेता भाग ले रहे हैं। बिम्सटेक शिखर सम्मेलन ने बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में समृद्धि, सुरक्षा और समावेशिता के लिए साझा प्रतिबद्धता को साकार करने के वास्ते 'बैंकॉक विजन 2030' को अपनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिम्सटेक दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया को जोड़ने वाले सेतु के रूप में काम करता है। यह क्षेत्रीय संपर्क, सहयोग और समृद्धि के नए रास्ते खोलने के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने बिम्सटेक समूह के दायरे और क्षमताओं को लगातार बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया, गृह मंत्रियों के तंत्र को संस्थागत बनाने का स्वागत किया और भारत में पहली बैठक आयोजित करने की पेशकश की। उन्होंने कहा कि यह मंच साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा खतरों, आतंकवाद और नशीली दवाओं तथा मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस संबंध में, मैं इस वर्ष इसकी पहली बैठक भारत में आयोजित करने का प्रस्ताव करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें बिम्सटेक देशों के साथ डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) स्थापित करने में भारत के अनुभव को साझा करने में खुशी हो रही है और उन्होंने इस संबंध में सदस्य देशों की विशिष्ट आवश्यकताओं को समझने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन आयोजित करने का सुझाव दिया।

## नयी प्रौद्योगिकी अपनाने के वैश्विक सूचकांक में भारत 170 देशों में 36वें स्थान पर

**संयुक्त राष्ट्र।** अग्रणी प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तत्परता के मामले में दुनियाभर के 170 देशों की रैंकिंग में भारत 36वें स्थान पर है। संयुक्त राष्ट्र ने इस बारे में रिपोर्ट जारी की है। विश्व निकाय की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की रैंकिंग में पिछले वर्षों की तुलना में सुधार हुआ है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (यूएनसीटीएडी) द्वारा जारी प्रौद्योगिकी और नवाचार रिपोर्ट 2025 में कहा गया है कि भारत 2024 में 'अग्रणी प्रौद्योगिकी के लिए तत्परता' सूचकांक में 36वें स्थान पर है, जो 2022 में उसके प्रदर्शन से बेहतर है।

2022 में भारत इस सूचकांक में 48वें स्थान पर था। इस रैंकिंग में उन देशों को शामिल किया गया है, जो नयी एवं अहम तकनीकों को अपनाने में तत्परता दिखाते हैं। सूचकांक में आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) परिनियोजन, कौशल, अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) गतिविधि, औद्योगिक क्षमता और वित्त तक पहुंच के संकेतकों को शामिल किया गया है। भारत आईसीटी के लिए 99वें, कौशल के लिए 113वें, आरएंडडी के लिए तीसरे, औद्योगिक क्षमता के लिए 10वें और वित्त के लिए 70वें स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मानव संसाधन के मामले में भूटान, भारत, मोरक्को, मालदोवा गणराज्य और तिमोर-लेस्ते की रैंकिंग में सुधार हुआ है।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्राजील, चीन, भारत और फिलीपीन विकासशील देश हैं जो प्रौद्योगिकी तत्परता में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार उम्मीद की जा सकती है कि प्रति व्यक्ति उच्च जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वाले देश अत्याधुनिक तकनीकों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हैं। लेकिन कुछ देश अपनी आय के स्तर से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते हैं, जैसा कि प्रति व्यक्ति जीडीपी पर सूचकांक स्कोर से संकेत मिलता है।

इसमें यह भी कहा गया है कि विकासशील देशों को एक ऐसी दुनिया के लिए खुद को तैयार रखने की जरूरत है जो बदलती तकनीक और एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) द्वारा तेजी से नया रूप ले रही है। विकसित देश इस रैंकिंग में शीर्ष पर हैं, लेकिन कुछ विकासशील देशों जैसे सिंगापुर, चीन और भारत ने भी शीर्ष स्थान हासिल किया है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन, जर्मनी, भारत, ब्रिटेन और अमेरिका ने एआई के क्षेत्र में अपनी वैज्ञानिक ताकत दिखाई है। इसमें कहा गया है कि एआई में निवेश के मामले में अमेरिका सबसे आगे है और साल 2023 में अमेरिका ने एआई में 67 अरब डॉलर का निवेश किया था।

# सिंगापुर : भारतीय मूल की रंगोली कलाकार को नेशनल हेरिटेज बोर्ड ने सम्मानित किया

**सिंगापुर।** भारतीय मूल की रंगोली कलाकार विजयलक्ष्मी मोहन को सिंगापुर के समुदाय और युवा पीढ़ी के बीच सांस्कृतिक विरासत में उनके कौशल और परंपराओं को बढ़ावा के लिए सम्मानित किया गया। विजयलक्ष्मी के अलावा चार अन्य को भी सम्मानित किया गया है।

विजयलक्ष्मी, सिंगापुर में ही रह रही हैं और उनके पास वहीं की नागरिकता है। नेशनल हैरिटेज बोर्ड (एनएचबी) ने शुक्रवार को कहा कि नेशनल गैलरी सिंगापुर में संस्कृति, समुदाय और युवा मंत्री एडविन टोंग ने विजयलक्ष्मी तथा चार अन्य लोगों को एनएचबी के 'द स्टूअर्ड इंटेंजिबल

कल्चर हेरिटेज अवॉर्ड' से सम्मानित किया। विजयलक्ष्मी के अलावा मलय ड्रम निर्माता मोहम्मद याजीज मोहम्मद हसन, पेरानाकन शैली के जौहरी थॉमिस क्वान, चीनी चाय की दुकान 'पेक सिन चून' और तेओच्यू पेस्ट्री की दुकान 'थाई मोह चान' को भी पुरस्कार प्रदान किया गया। मूलरूप से तमिलनाडु के त्रिची में जन्मी एवं पली-बढ़ी 66 वर्षीय कलाकार विजयलक्ष्मी पांच साल की उम्र से ही, पांच हजार साल पुरानी भारतीय लोककला रंगोली बनाती आ रही हैं। उन्होंने अपनी मां से यह कला सीखी जो हर सुबह अपने आंगन में रंगोली बनाती थीं। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की खबर में विजयलक्ष्मी को यह कहते हुए उद्धृत किया गया। दक्षिण भारत में, हम सफेद रंग से एक आकृति बनाते हैं जिसे कोलम कहा जाता है।

हम गणितीय सिद्धांतों और ज्यामितीय डिजाइनों पर आधारित आकृतियां बनाते हैं। विजयलक्ष्मी 1992 में सिंगापुर आ गईं और 2005 में वहां की नागरिक बन गईं। उन्होंने 1993 में सिंगापुर में पहली बार रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया था और चावल के रंगीन पाउडर से भगवान गणेश की तस्वीर बनाई थी।

पुरानी बातों को याद कर हंसते हुए उन्होंने कहा कि मैं पहली बार भाग ले रही थी और मुझे नहीं पता था कि इतनी तेज हवा चलेगी। निर्णायकों के आने से पहले ही मेरी बनाई आकृति का रंग तेज हवा में उड़ गया और मुझे अयोग्य घोषित कर दिया गया। उन्होंने स्कूलों और विश्वविद्यालयों में रंगोली कार्यशालाएं आयोजित कीं और 2015 में अपने पति एन. मोहन के साथ मिलकर 'सिंगा रंगोली' नामक कंपनी बनाई।